ऊँ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

HARSHITA NIGAM

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

Model: M-C2,P2

SrNo: 112-124-101-1022 / 85 Date: 18/02/2026

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/01/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:29:00 घंटे**
इष्ट	08:00:01 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:02:20 घंटे
वेलान्तर	-00:05:45 घंटे
साम्पातिक काल	17:05:30 घंटे
सूर्योदय	07:16:59 घंटे
सूर्यास्त	17:48:14 घंटे
दिनमान	10:31:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:39:09 धनु
लग्न के अंश	16:56:00 कुम्भ

दादा का नाम : RAJIV NIGAM
पिता का नाम : AYUSH NIGAM
माता का नाम : KANIKA SAHAI
जाति :
गोत्र :

चैत्रादि संवत / शक : 2082 / 1947
मास : माघ
पक्ष : कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि : 3
तिथि समाप्ति काल : 08:01:54
जन्म तिथि : 4
सूर्योदय कालीन नक्षत्र : आश्लेषा
नक्षत्र समाप्ति काल : 12:17:37 घंटे
जन्म नक्षत्र : आश्लेषा
सूर्योदय कालीन योग : प्रीति
योग समाप्ति काल : 20:21:09 घंटे
जन्म योग : प्रीति
सूर्योदय कालीन करण : विष्टि
करण समाप्ति काल : 08:01:54 घंटे
जन्म करण : बव
भयात : 52:40:33
भभोग : 57:12:04
भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 3 मा 27 दि

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	: कुम्भ – शनि
राशि–स्वामी	: **कर्क – चन्द्र**
नक्षत्र–चरण	: **आश्लेषा – 4**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: प्रीति
करण	: बव
गण	: राक्षस
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: डो–डौली
पाया(राशि–नक्षत्र)	: स्वर्ण – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

घात चक्र

मास	: पौष
तिथि	: 2-7-12
दिन	: बुधवार
नक्षत्र	: अनुराधा
योग	: व्याघात
करण	: नाग
प्रहर	: 1
वर्ग	: मेष
लग्न	: तुला
सूर्य	: सिंह
चन्द्र	: मीन
मंगल	: कन्या
बुध	: मिथुन
गुरु	: तुला
शुक्र	: वृश्चिक
शनि	: कर्क
राहु	: धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.
लग्न			कुंभ	16:56:00	शतभिषा	4	राहु	शुक्र
सूर्य			धनु	21:39:09	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु
चंद्र			कर्क	28:57:38	आश्लेषा	4	बुध	शनि
मंगल		अ	धनु	22:27:57	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	शनि
बुध		अ	धनु	12:27:15	मूल	4	केतु	बुध
गुरु	व		मिथु	26:26:43	पुनर्वसु	2	गुरु	केतु
शुक्र		अ	धनु	21:32:12	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु
शनि			मीन	02:16:10	पू०भाद्रपद	4	गुरु	राहु
राहु	व		कुंभ	16:05:03	शतभिषा	3	राहु	शुक्र
केतु	व		सिंह	16:05:03	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	सूर्य
हर्ष	व		वृष	03:35:36	कृतिका	3	सूर्य	शनि
नेप			मीन	05:21:24	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि
प्लूटो			मक	08:39:19	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	शुक्र

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न कुंडली

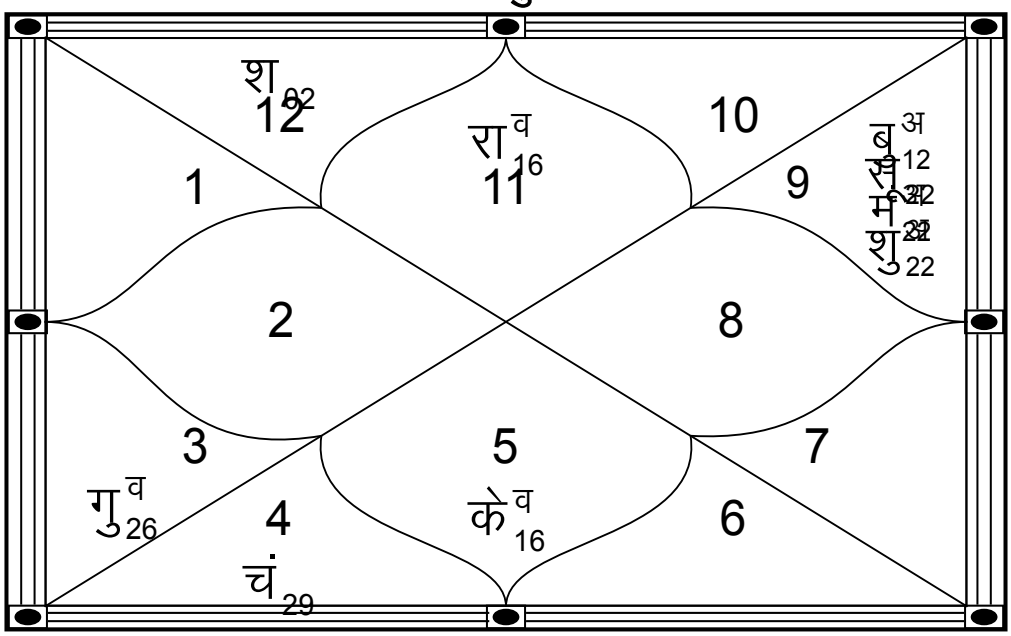

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

चलित अंश

भाव		भाव संधि		भाव मध्य
1	कुम्भ	02:59:06	कुम्भ	16:56:00
2	मीन	02:59:06	मीन	19:02:12
3	मेष	05:05:18	मेष	21:08:24
4	वृष	07:11:30	वृष	23:14:36
5	मिथुन	07:11:30	मिथुन	21:08:24
6	कर्क	05:05:18	कर्क	19:02:12
7	सिंह	02:59:06	सिंह	16:56:00
8	कन्या	02:59:06	कन्या	19:02:12
9	तुला	05:05:18	तुला	21:08:24
10	वृश्चिक	07:11:30	वृश्चिक	23:14:36
11	धनु	07:11:30	धनु	21:08:24
12	मकर	05:05:18	मकर	19:02:12

चलित कुंडली

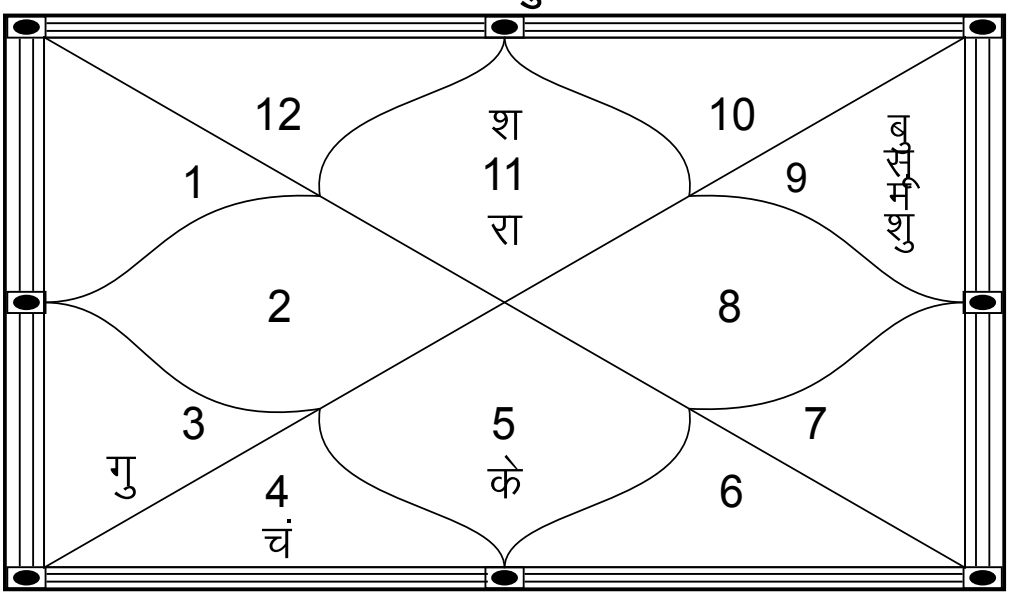

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

तारा चक्र

जन्म	आश्लेषा	ज्येष्ठा	रेवती
सम्पत	मघा	मूल	अश्विनी
विपत	पू०फाल्गुनी	पूर्वाषाढ़ा	भरणी
क्षेम	उ०फाल्गुनी	उत्तराषाढ़ा	कृतिका
प्रत्यारि	हस्त	श्रवण	रोहिणी
साधक	चित्रा	धनिष्ठा	मृगशिरा
वध	स्वाति	शतभिषा	आर्द्रा
मित्र	विशाखा	पू०भाद्रपद	पुनर्वसु
अतिमित्र	अनुराधा	उ०भाद्रपद	पुष्य

चन्द्र कुंडली

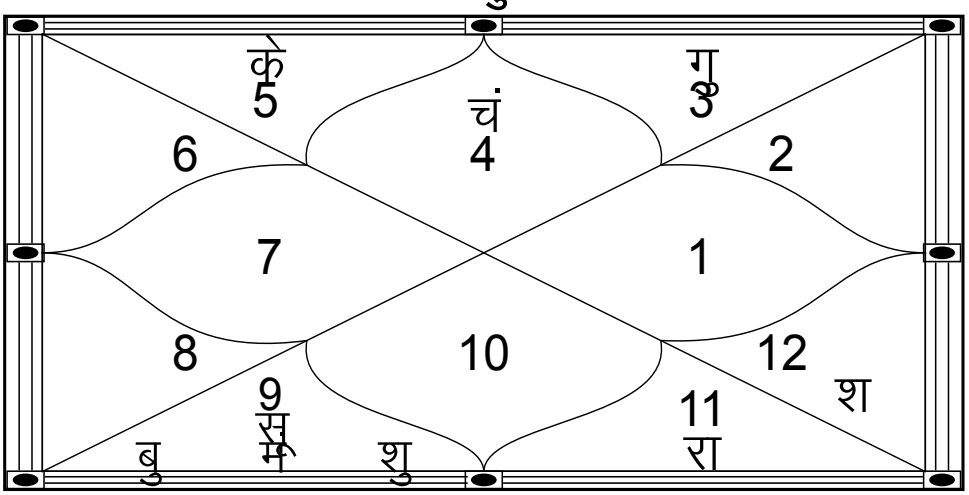

नवमांश कुंडली

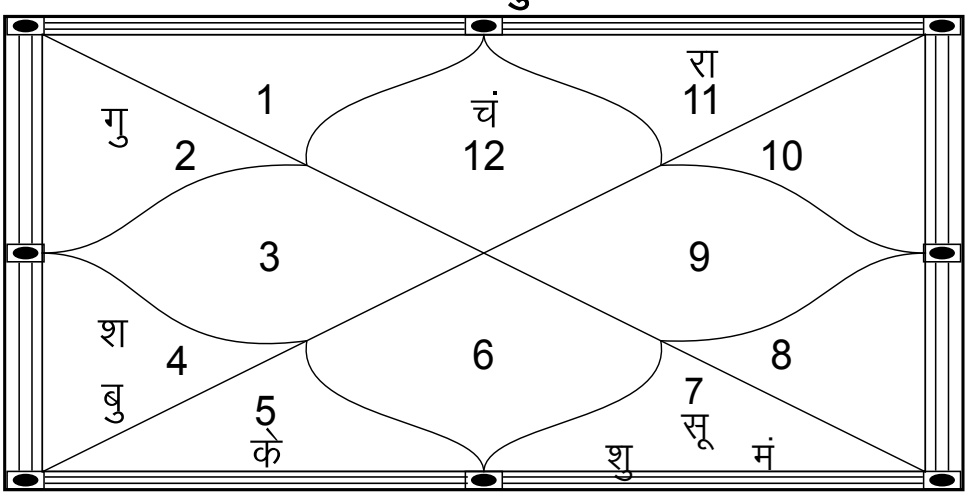

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

सुदर्शन चक्र

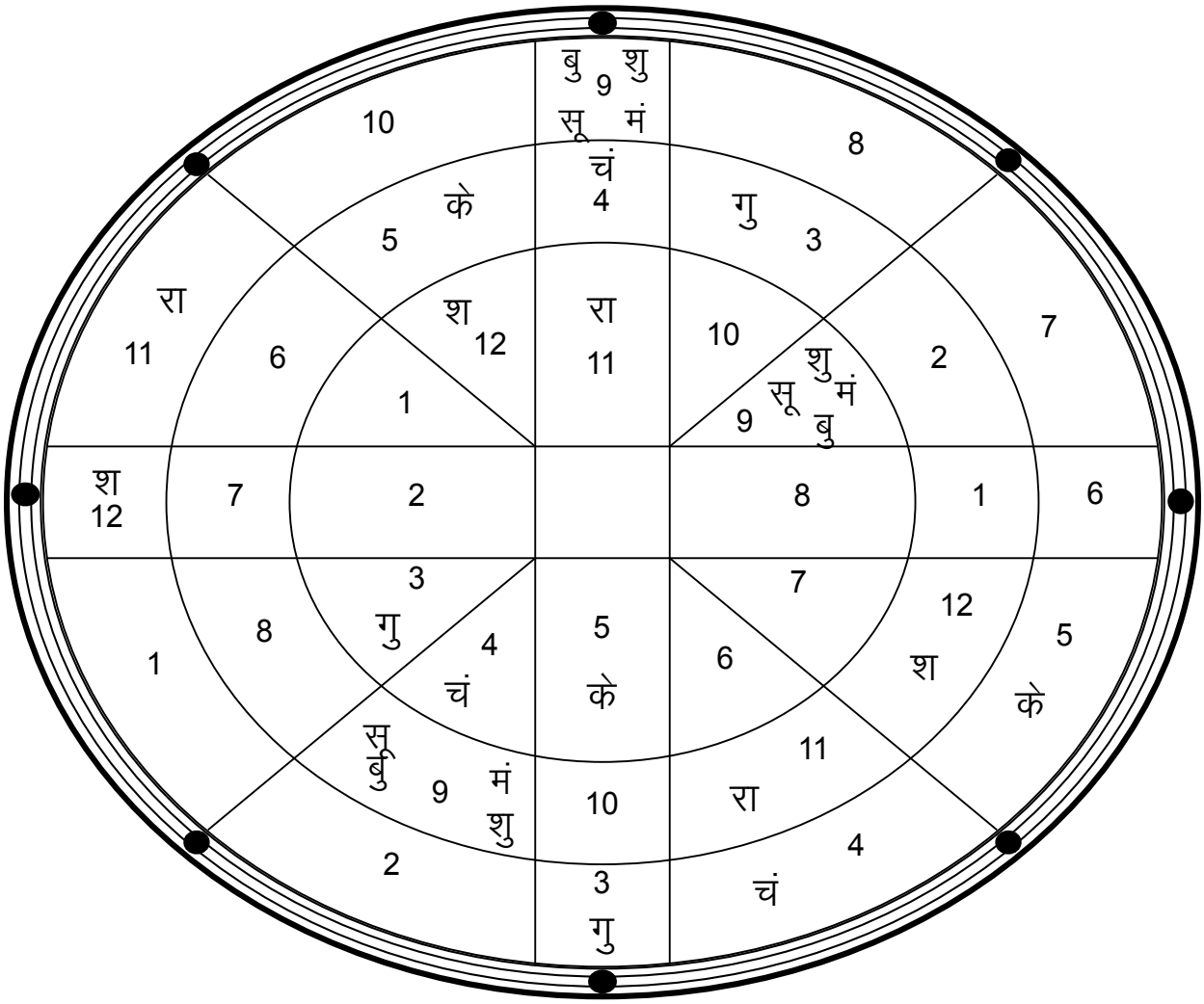

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

कृष्णमूर्ति पद्धति

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		धनु	21:45:38	गुरु	शुक्र	गुरु	राहु
चंद्र		कर्क	29:04:07	चंद्र	बुध	शनि	सूर्य
मंगल		धनु	22:34:26	गुरु	शुक्र	शनि	केतु
बुध		धनु	12:33:44	गुरु	केतु	बुध	राहु
गुरु	व	मिथु	26:33:12	बुध	गुरु	केतु	बुध
शुक्र		धनु	21:38:41	गुरु	शुक्र	गुरु	राहु
शनि		मीन	02:22:39	गुरु	गुरु	राहु	बुध
राहु	व	कुंभ	16:11:32	शनि	राहु	शुक्र	राहु
केतु	व	सिंह	16:11:32	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शुक्र
हर्ष	व	वृष	03:42:05	शुक्र	सूर्य	शनि	केतु
नेप		मीन	05:27:53	गुरु	शनि	बुध	बुध
प्लूटो		मक	08:45:48	शनि	सूर्य	शुक्र	राहु

के.पी. अयनांश : 24:06:51

फॉरच्युना : कन्या 24:20:58

लग्न कुंडली

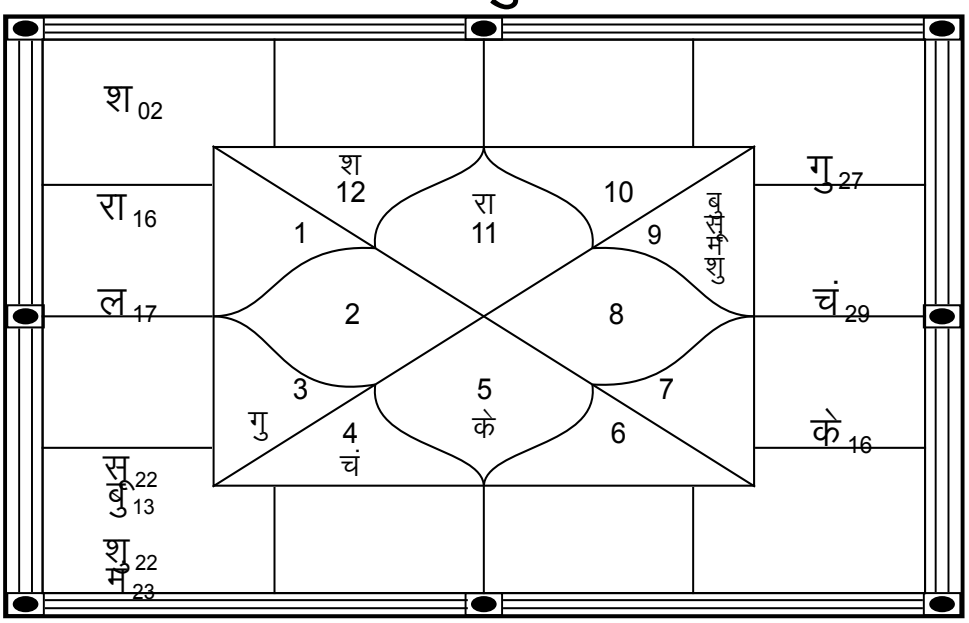

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कुंभ	17:02:29	शनि	राहु	शुक्र	बुध
2	मीन	26:35:54	गुरु	बुध	गुरु	शनि
3	मेष	27:53:31	मंगल	सूर्य	चंद्र	शनि
4	वृष	23:21:05	शुक्र	मंगल	मंगल	मंगल
5	मिथु	17:08:48	बुध	राहु	शुक्र	बुध
6	कर्क	13:23:12	चंद्र	शनि	राहु	गुरु
7	सिंह	17:02:29	सूर्य	शुक्र	चंद्र	केतु
8	कन्या	26:35:54	बुध	मंगल	गुरु	शनि
9	तुला	27:53:31	शुक्र	गुरु	शुक्र	गुरु
10	वृश्चि	23:21:05	मंगल	बुध	मंगल	मंगल
11	धनु	17:08:48	गुरु	शुक्र	चंद्र	शुक्र
12	मक	13:23:12	शनि	चंद्र	राहु	शुक्र

भाव कुंडली

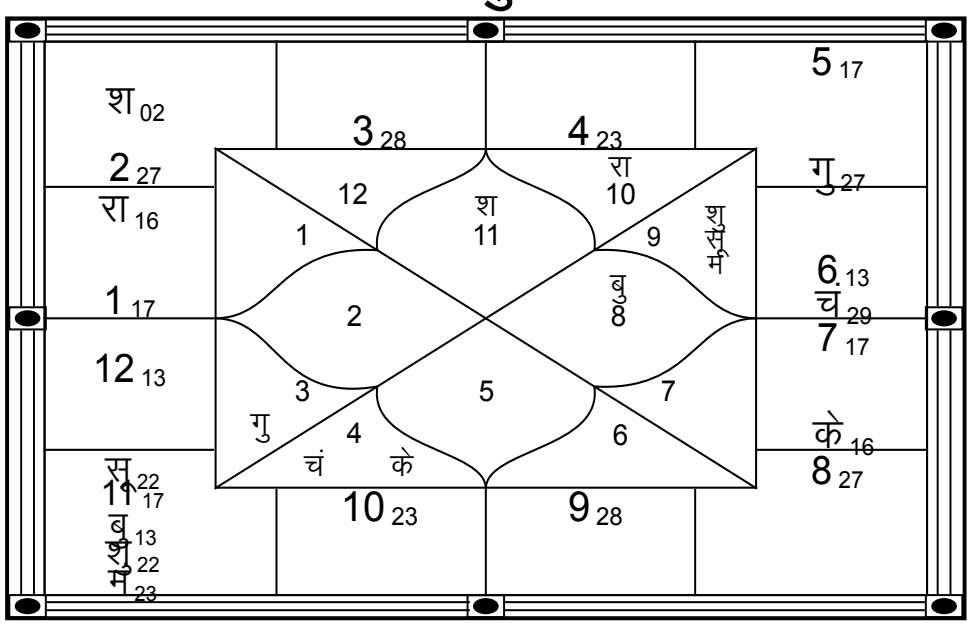

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	शनि,
2	गुरु, शनि–
3	मंगल–
4	सूर्य– मंगल– शुक्र, केतु–
5	चंद्र– बुध– गुरु+ शनि,
6	चंद्र, बुध, केतु,
7	सूर्य–
8	चंद्र– बुध–
9	सूर्य– मंगल– शुक्र, केतु–
10	चंद्र, मंगल– बुध,
11	सूर्य+ मंगल+ गुरु, शुक्र+ शनि– केतु,
12	शनि– राहु+

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	4- 7- 9- 11+
चंद्र	5- 6, 8- 10,
मंगल	3- 4- 9- 10- 11+
बुध	5- 6, 8- 10,
गुरु	2, 5+ 11,
शुक्र	4, 9, 11+
शनि	1, 2- 5, 11- 12-
राहु	12+
केतु	4- 6, 9- 11,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	राहु
लग्न राशि स्वामी	शनि
राशि नक्षत्र स्वामी	बुध
राशि स्वामी	चन्द्र
वार स्वामी	मंगल

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

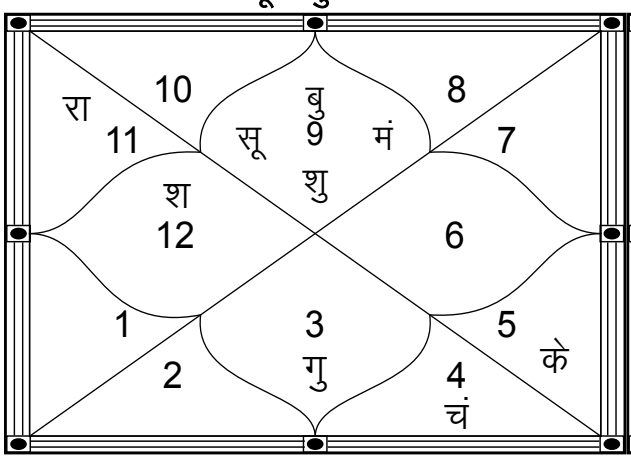

चन्द्र कुंडली

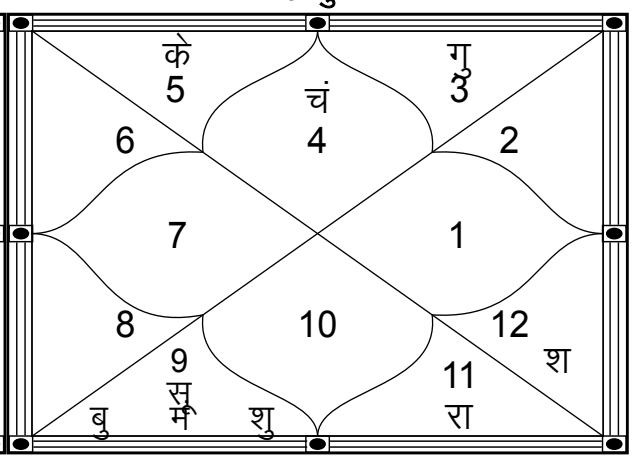

लग्न कुंडली

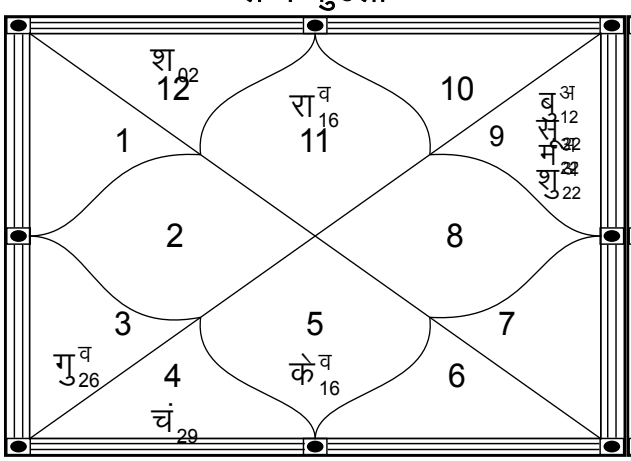

होरा कुंडली

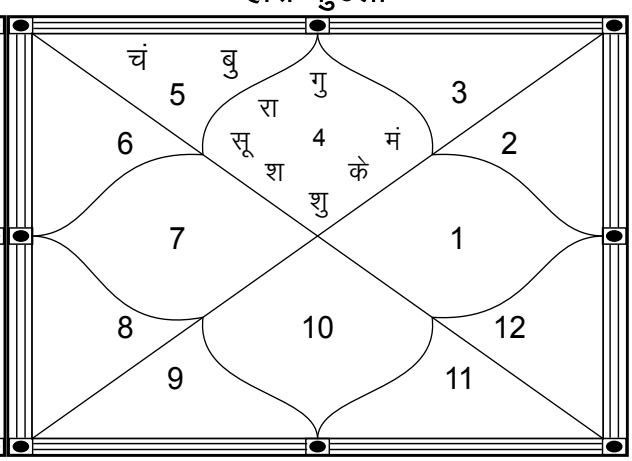

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

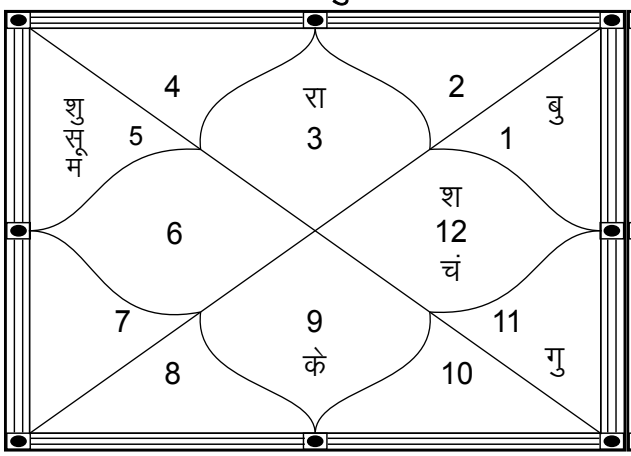

चतुर्थांश कुंडली

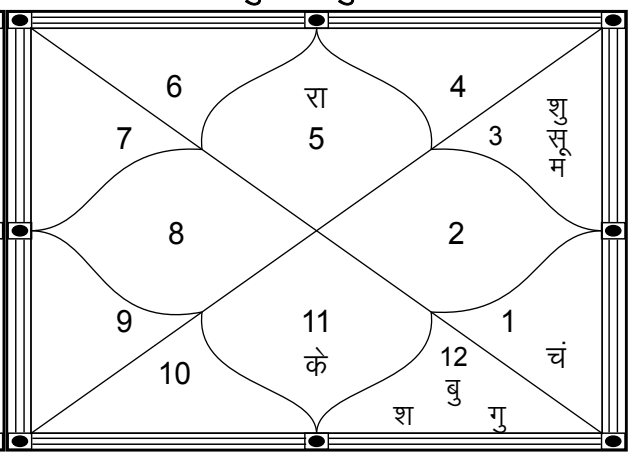

पंचमांश कुंडली

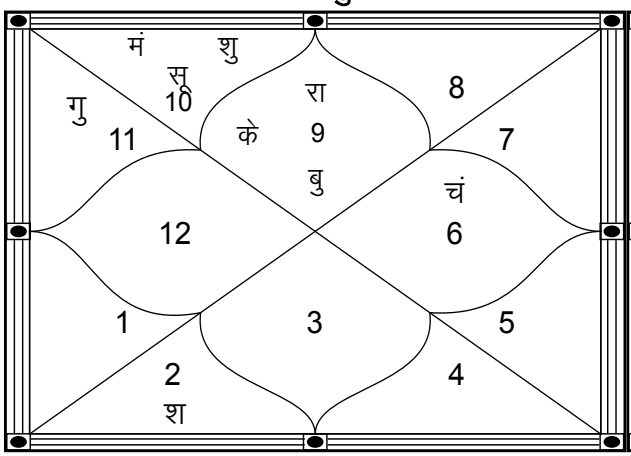

षष्ठांश कुंडली

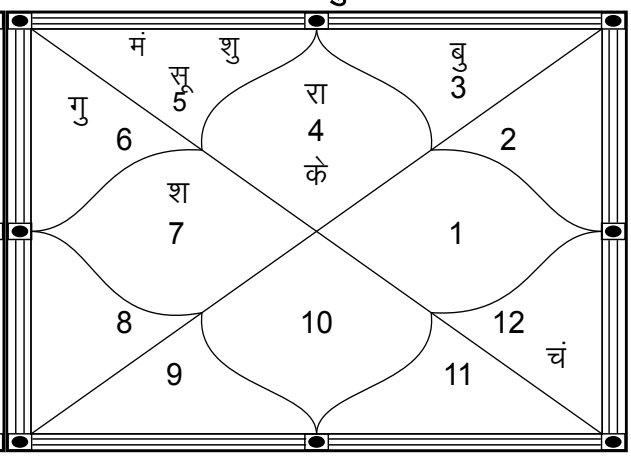

सप्तमांश कुंडली

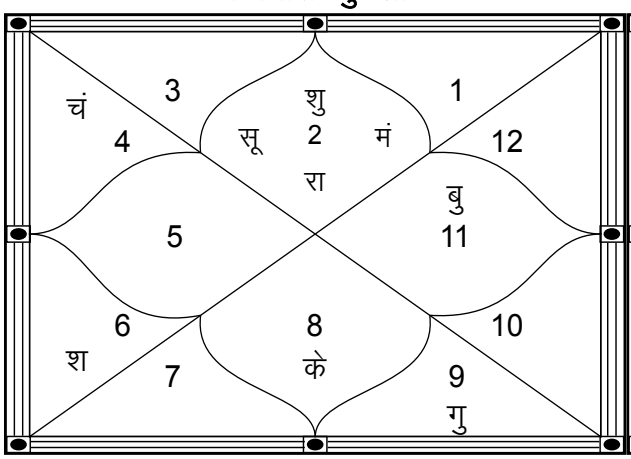

अष्टमांश कुंडली

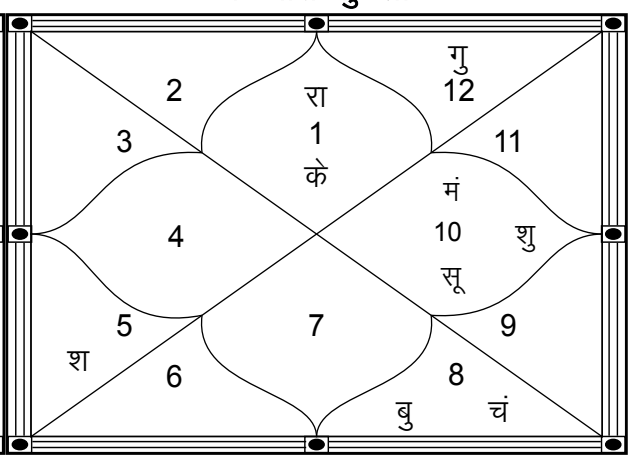

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

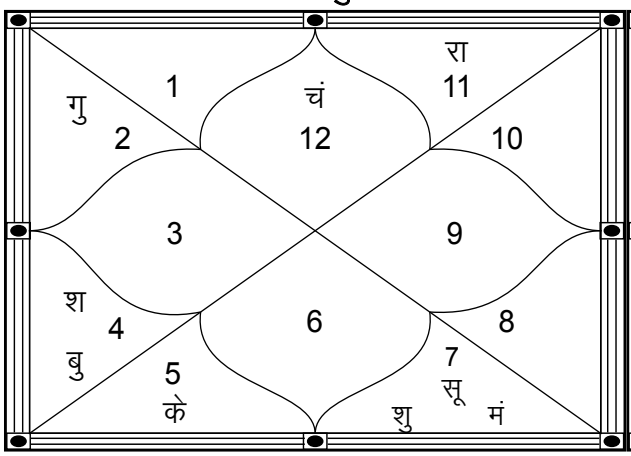

दशमांश कुंडली

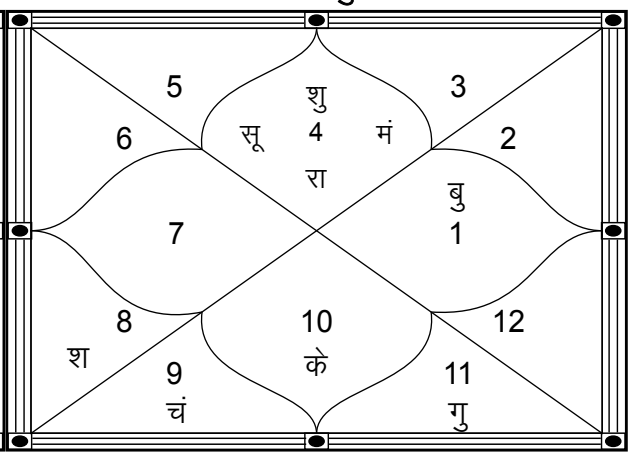

एकादशांश कुंडली

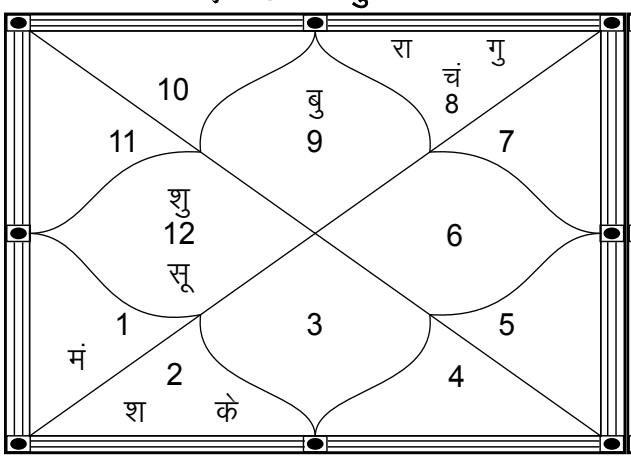

द्वादशांश कुंडली

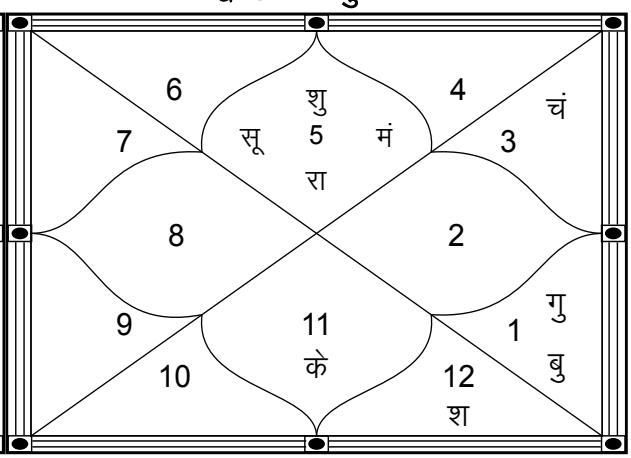

षोडशांश कुंडली

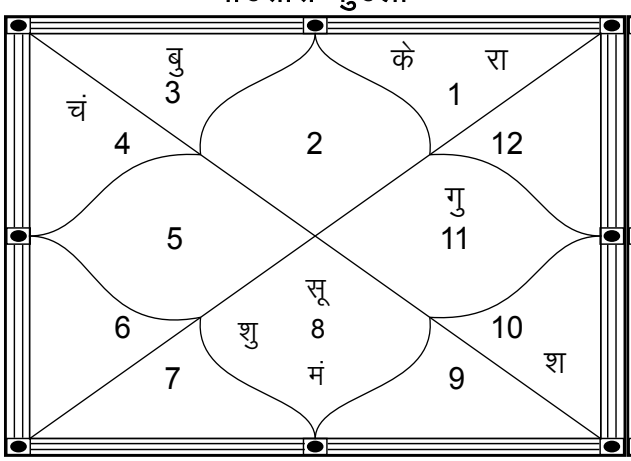

विंशांश कुंडली

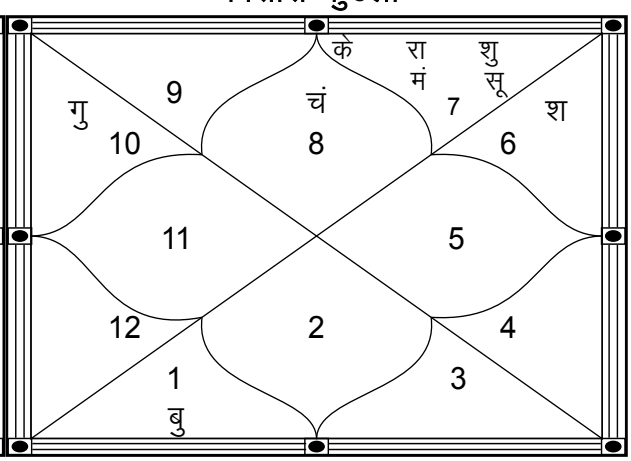

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

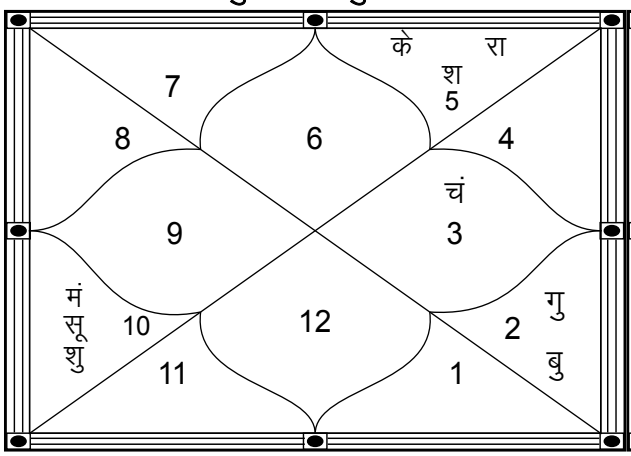

सप्तविंशांश कुंडली

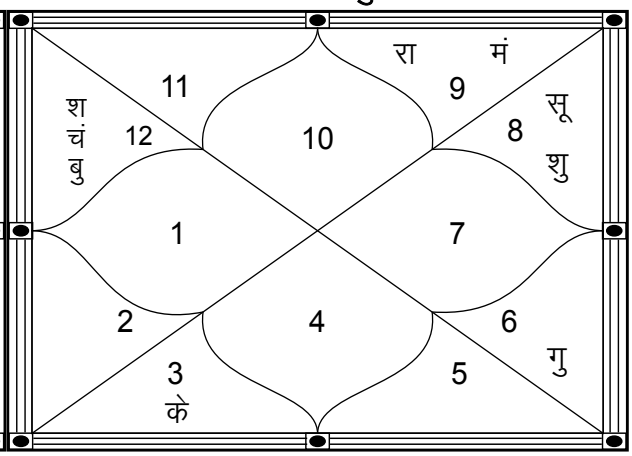

त्रिंशांश कुंडली

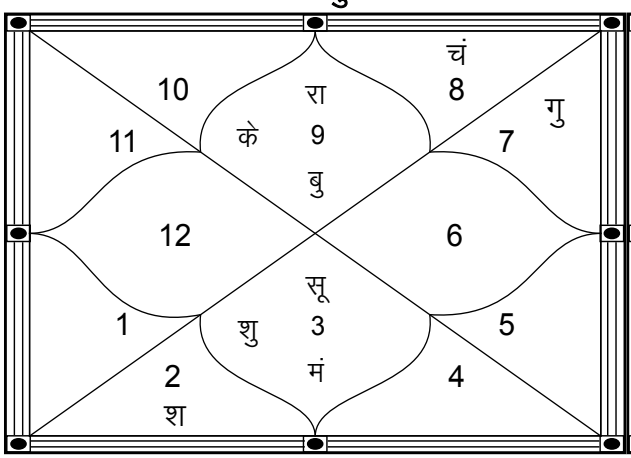

खवेदांश कुंडली

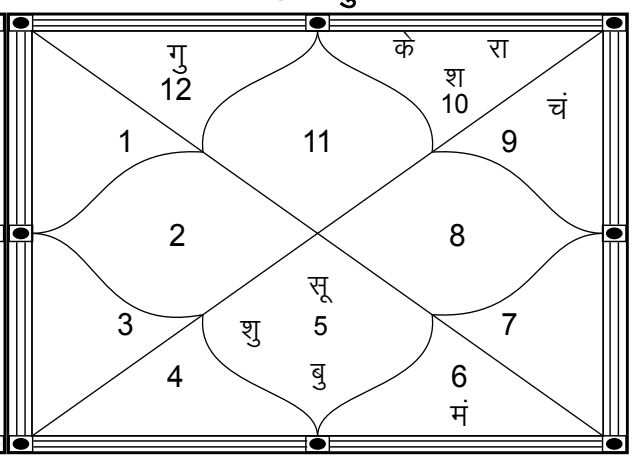

अक्षवेदांश कुंडली

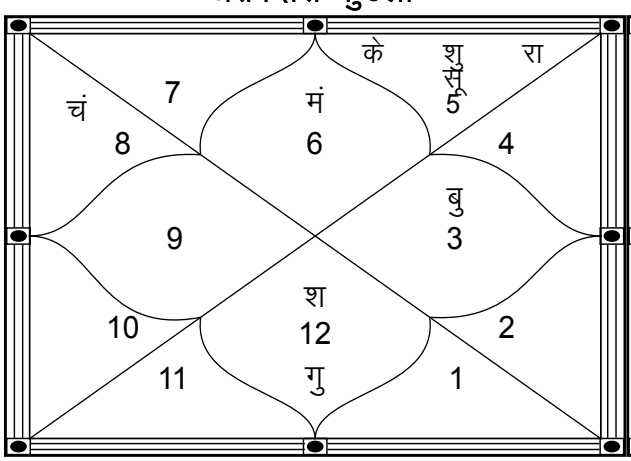

षष्ट्यंश कुंडली

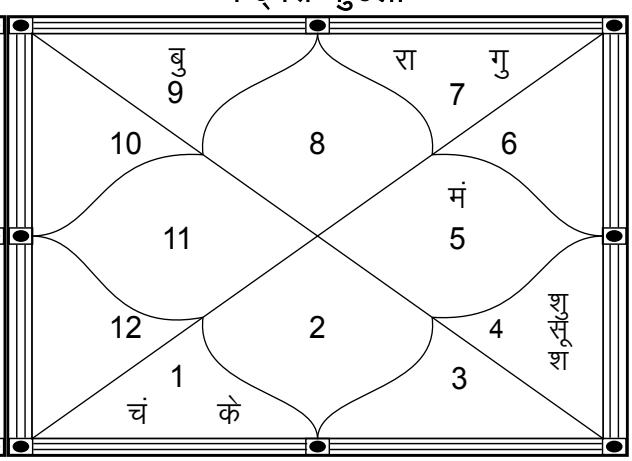

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	कुंभ	धनु	कर्क	धनु	धनु	मिथु	धनु	मीन	कुंभ	सिंह
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मिथु	सिंह	मीन	सिंह	मेष	कुंभ	सिंह	मीन	मिथु	धनु
चतुर्थांश	सिंह	मिथु	मेष	मिथु	मीन	मीन	मिथु	मीन	सिंह	कुंभ
सप्तमांश	वृष	वृष	कर्क	वृष	कुंभ	धनु	वृष	कन्या	वृष	वृश्चि
नवमांश	मीन	तुला	मीन	तुला	कर्क	वृष	तुला	कर्क	कुंभ	सिंह
दशमांश	कर्क	कर्क	धनु	कर्क	मेष	कुंभ	कर्क	वृश्चि	कर्क	मक
द्वादशांश	सिंह	सिंह	मिथु	सिंह	मेष	मेष	सिंह	मीन	सिंह	कुंभ
षोडशांश	वृष	वृश्चि	कर्क	वृश्चि	मिथु	कुंभ	वृश्चि	मक	मेष	मेष
विंशांश	वृश्चि	तुला	वृश्चि	तुला	मेष	मक	तुला	कन्या	तुला	तुला
चतुर्विंशांश	कन्या	मक	मिथु	मक	वृष	वृष	मक	सिंह	सिंह	सिंह
सप्तविंशांश	मक	वृश्चि	मीन	धनु	मीन	कन्या	वृश्चि	मीन	धनु	मिथु
त्रिंशांश	धनु	मिथु	वृश्चि	मिथु	धनु	तुला	मिथु	वृष	धनु	धनु
खवेदांश	कुंभ	सिंह	धनु	कन्या	सिंह	मीन	सिंह	मक	मक	मक
अक्षवेदांश	कन्या	सिंह	वृश्चि	कन्या	मिथु	मीन	सिंह	मीन	सिंह	सिंह
षष्ट्यंश	वृश्चि	कर्क	मेष	सिंह	धनु	तुला	कर्क	कर्क	तुला	मेष

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	2 किंसुक	2 किंसुक	2 पारिजात	4 नागपुष्प
चन्द्र	1 ———	2 किंसुक	3 उत्तम	3 कुसुम
मंगल	0 ———	0 ———	1 ———	2 भेदक
बुध	0 ———	0 ———	1 ———	2 भेदक
गुरु	1 ———	2 किंसुक	2 पारिजात	5 कन्दुक
शुक्र	1 ———	2 किंसुक	2 पारिजात	3 कुसुम
शनि	0 ———	0 ———	1 ———	2 भेदक
राहु	1 ———	1 ———	1 ———	1 ———
केतु	2 किंसुक	2 किंसुक	2 पारिजात	2 भेदक

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	11.60	15.10	9.00	6.80	8.80	9.60	11.65	14.75	8.00
सप्तवर्ग	10.60	15.48	8.70	7.85	10.18	11.00	12.28	14.90	8.13
दशवर्ग	10.53	13.15	9.93	8.65	9.73	8.08	11.45	13.80	8.88
षोडशवर्ग	10.03	13.40	9.90	8.83	9.28	9.30	11.68	14.45	8.05

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	———	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	———	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	———	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	———	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	———	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	———	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	———	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	———	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	———

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	———	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
चंद्र	शत्रु	———	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	शत्रु	शत्रु	———	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	———	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	———	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	———	मित्र	मित्र	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	———	मित्र	शत्रु
राहु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	———	शत्रु
केतु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	———

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	———	सम	सम	शत्रु	सम	अश	सम	सम	अश
चंद्र	सम	———	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	अश	सम
मंगल	सम	सम	———	अश	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	सम	अश	शत्रु	———	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	सम	अमि	सम	अश	———	अश	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	अश	अश	शत्रु	सम	शत्रु	———	अमि	अमि	सम
शनि	सम	अश	सम	अमि	मित्र	अमि	———	अमि	अश
राहु	सम	अश	सम	मित्र	शत्रु	अमि	अमि	———	अश
केतु	अश	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	अश	अश	———

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	24	31	48	31	57	28	16
सप्तवर्गज बल	83	109	39	39	81	77	94
ओजयुग्मक बल	30	30	30	15	15	0	0
केन्द्र बल	30	15	30	30	30	30	30
द्रेष्काण बल	0	15	0	15	0	15	0
कुल स्थान बल	166	200	148	130	183	150	140
कुल दिग्बल	51	38	50	39	17	9	5
नतोन्नत बल	50	10	10	60	50	50	10
पक्ष बल	12	95	12	12	48	48	12
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	30	0	0	0	0
वार बल	0	0	45	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	60	0	0	0
अयन बल	2	12	1	60	58	1	32
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	64	117	99	252	230	98	55
कुल चेष्टाबल	0	0	1	4	59	0	25
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	2	-24	2	-2	-36	2	10
कुल षट्बल	343	383	317	449	487	303	243
रूप षट्बल	5.7	6.4	5.3	7.5	8.1	5.1	4.1
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.1	1.1	1.1	1.1	1.2	0.9	0.8
संबंधित पद	2	4	5	3	1	6	7

भाव बल

	1	2	3	4	5	6
भावाधिपति बल	243	487	317	303	449	383
भावदिग्बल	60	40	10	0	20	40
भावदृष्टि बल	64	89	15	2	32	27
कुल भाव बल	367	616	342	305	501	450
रूप भाव बल	6.1	10.3	5.7	5.1	8.4	7.5
संबंधित पद	8	1	10	12	3	5

	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	343	449	303	317	487	243
भावदिग्बल	30	10	20	30	50	20
भावदृष्टि बल	19	35	33	37	39	62
कुल भाव बल	392	493	356	384	576	325
रूप भाव बल	6.5	8.2	5.9	6.4	9.6	5.4
संबंधित पद	6	4	9	7	2	11

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	11.24	38.61	7.78	10.50	58.19	3.74	19.94
कष्ट फल	44.45	18.88	26.38	40.56	1.46	43.51	39.29

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	कुंभ	16:56:00	––	––	शतभिषा	4	24
गुलिक	गु	मेष	24:48:56	––	––	भरणी	4	2
काल	का	वृष	16:08:14	––	––	रोहिणी	2	4
मृत्यु	मृ	मक	11:45:02	––	––	श्रवण	1	22
यमघंटक	यम	मीन	02:45:15	––	––	पू०भाद्रपद	4	25
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	कुंभ	05:51:29	––	––	धनिष्ठा	4	23
धूम	धू	वृष	04:59:09	––	––	कृतिका	3	3
व्यतिपात	व्य	कुंभ	25:00:51	––	––	पू०भाद्रपद	2	25
परिवेश	परि	सिंह	25:00:51	––	––	पू०फाल्गुनी	4	11
इन्द्रचाप	इ	वृश्चि	04:59:09	––	––	अनुराधा	1	17
उपकेतु	उप	वृश्चि	21:39:09	––	––	ज्येष्ठा	2	18
मांदी	मांदी	वृष	13:41:06	––	––	रोहिणी	2	4

प्राणपद	:	धनु	21रू41रू51
भाव लग्न	:	कुम्भ	09रू39रू17
घटी लग्न	:	सिंह	21रू39रू49
वर्णद लग्न	:	कुम्भ	14रू35रू25

उपग्रह कुंडली

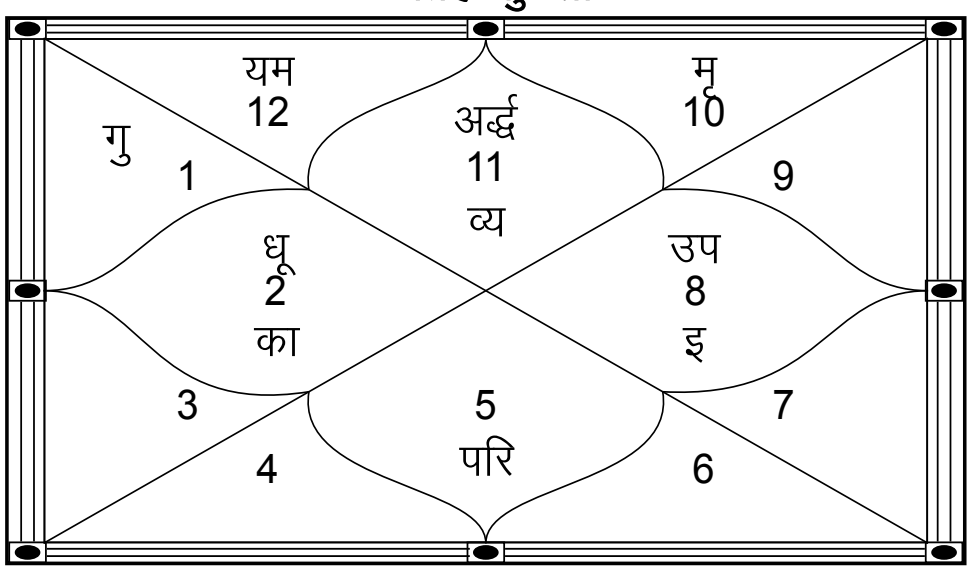

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

कारक, अवस्था, रश्मि

ग्रह	------कारक------		---------- अवस्था ----------				
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	मातृ	पितृ	वृद्ध	मुदित	निद्रा	3.98	62 %
चंद्र	आत्मा	मातृ	बाल	स्वस्थ	नृत्यलिप्सा	7.05	33 %
मंगल	भ्रातृ	भ्रातृ	वृद्ध	विकल	प्रकाश	0.00	55 %
बुध	ज्ञाति	ज्ञाति	युवा	विकल	आगम	0.00	59 %
गुरु	अमात्य	धन	मृत	खल	आगम	2.67	64 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	वृद्ध	विकल	प्रकाश	1.88	57 %
शनि	कलत्र	आयु	मृत	शान्त	कौतुक	1.59	2 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	मुदित	प्रकाश	0.00	6 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	खल	सभा	0.00	6 %
कुल						**17.17**	

कारकाँश लग्न	:	मीन	20:38:41
होरा लग्न	:	मीन	27:39:25

आरूढ़ कुंडली

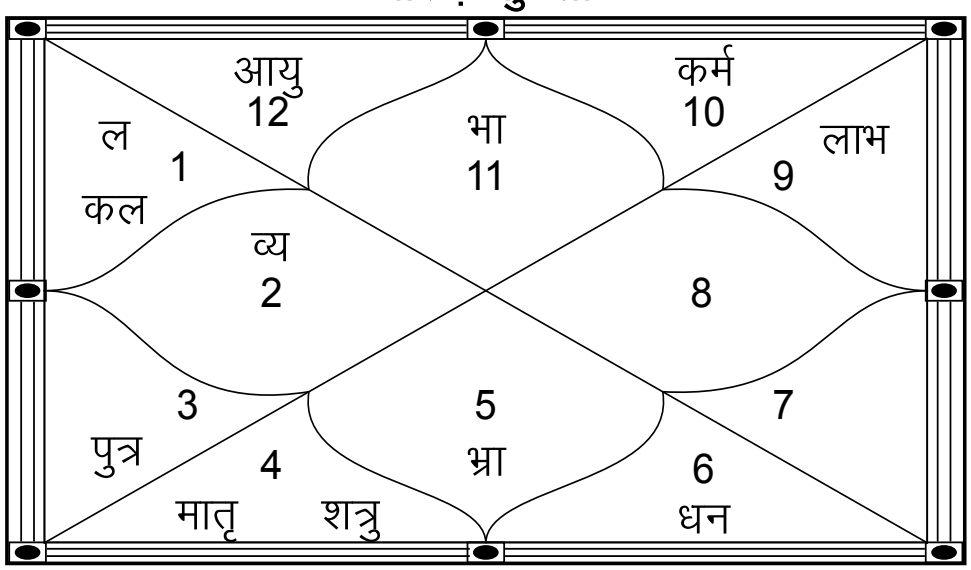

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
गुरु	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
कुल	5	4	2	3	5	4	4	3	3	5	5	5	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
मंगल	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	6
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	6
शुक्र	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
कुल	6	2	6	4	1	4	4	4	4	6	4	4	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	7
गुरु	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	5
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
चंद्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
कुल	4	2	3	3	4	5	2	3	0	4	5	4	39

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

बुध का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
गुरु	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
कुल	6	4	4	4	6	5	2	3	5	4	6	5	54

गुरू का अष्टकवर्ग

	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
सूर्य	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	9
शुक्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	6
बुध	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	8
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	9
कुल	4	5	7	5	5	2	5	6	3	6	3	5	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7
गुरु	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	5
मंगल	0	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	0	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	9
लग्न	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
कुल	3	3	6	5	4	5	3	4	4	3	8	4	52

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

शनि का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
सूर्य	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	6
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
लग्न	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	6
कुल	1	3	7	1	4	2	4	5	5	3	2	2	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
गुरु	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	9
मंगल	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	5
सूर्य	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
शुक्र	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
चंद्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	4	5	4	5	3	4	2	5	4	3	7	3	49

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	7	1	4	2	4	5	5	3	2	2	1	39
गुरु	3	5	4	5	7	5	5	2	5	6	3	6	56
मंगल	4	5	2	3	0	4	5	4	4	2	3	3	39
सूर्य	5	4	4	3	3	5	5	5	5	4	2	3	48
शुक्र	4	5	3	4	4	3	8	4	3	3	6	5	52
बुध	6	5	2	3	5	4	6	5	6	4	4	4	54
चंद्र	6	4	4	6	2	6	4	1	4	4	4	4	49
बिन्दु	31	35	20	28	23	31	38	26	30	25	24	26	337
रेखा	25	21	36	28	33	25	18	30	26	31	32	30	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	5	0	3	0	2	4	4	1	0	1	0	21
गुरु	0	0	1	3	4	0	2	0	2	1	0	4	17
मंगल	4	3	0	0	0	2	3	1	4	0	1	0	18
सूर्य	2	0	2	0	0	1	3	2	2	0	0	0	12
शुक्र	1	2	0	0	1	0	5	0	0	0	3	1	13
बुध	1	1	0	0	0	0	4	2	1	0	2	1	12
चंद्र	4	0	0	5	0	2	0	0	2	0	0	3	16
रेखा	13	11	3	11	5	7	21	9	12	1	7	9	109

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	1	0	3	0	2	4	3	1	0	1	0	16
गुरु	0	0	1	3	4	0	2	0	2	1	0	4	17
मंगल	3	0	0	0	0	2	0	1	4	0	1	0	11
सूर्य	0	0	2	0	0	0	3	0	2	0	0	0	7
शुक्र	1	2	0	0	1	0	3	0	0	0	3	1	11
बुध	1	1	0	0	0	0	3	1	1	0	2	1	10
चंद्र	4	0	0	5	0	2	0	0	2	0	0	3	16
रेखा	10	4	3	11	5	6	15	5	12	1	7	9	88

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	55	112	86	89	145	103	111
ग्रह पिंड	70	90	100	30	95	5	40
शोध्य पिंड	125	202	186	119	240	108	151

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

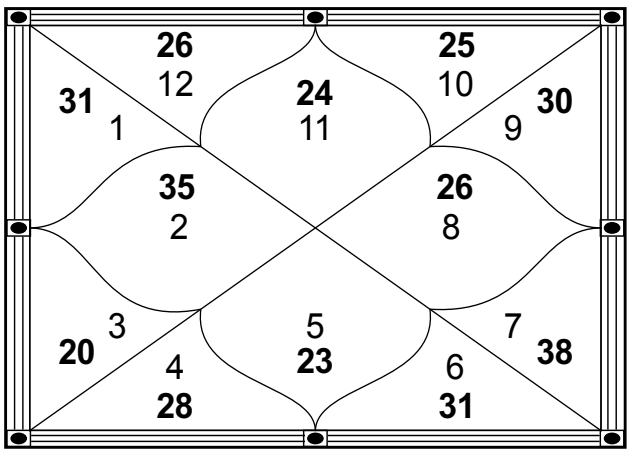

सूर्य का अष्टकवर्ग

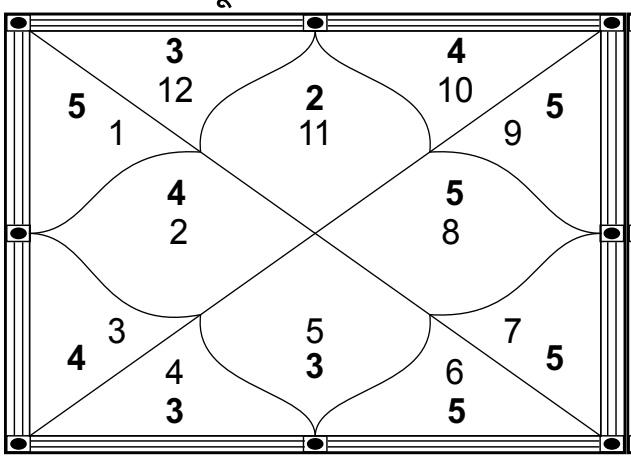

चंद्र का अष्टकवर्ग

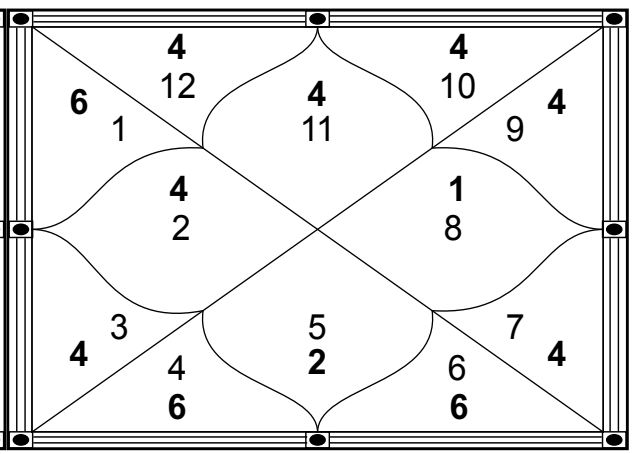

मंगल का अष्टकवर्ग

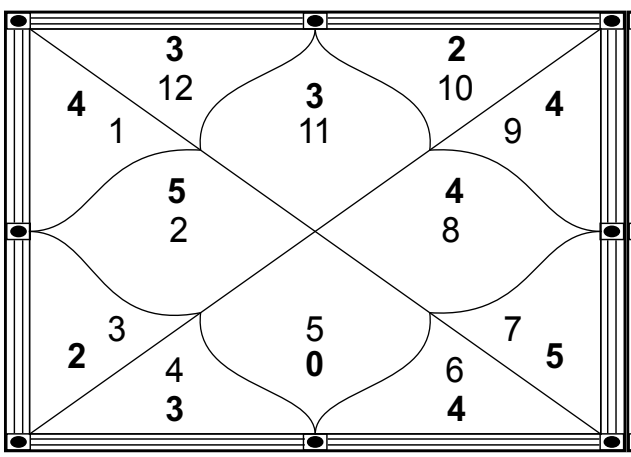

बुध का अष्टकवर्ग

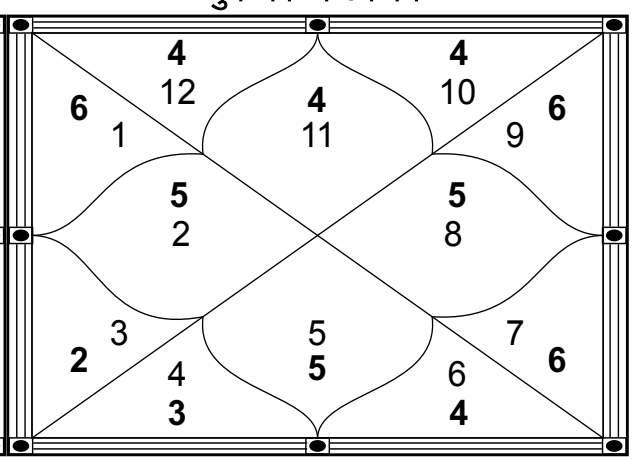

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

अष्टकवर्ग सारिणी

गुरू का अष्टकवर्ग

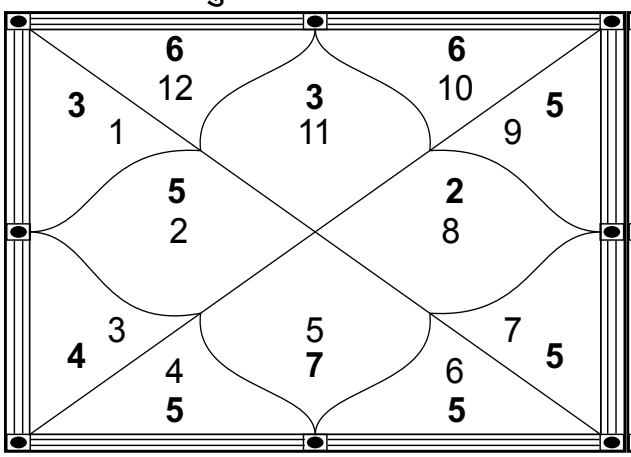

शुक्र का अष्टकवर्ग

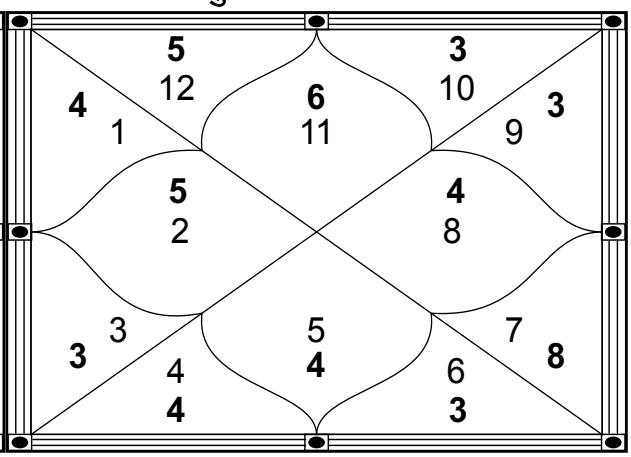

शनि का अष्टकवर्ग

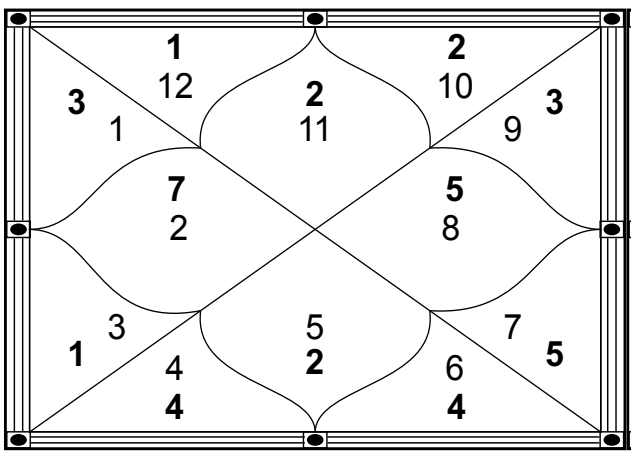

लग्न का अष्टकवर्ग

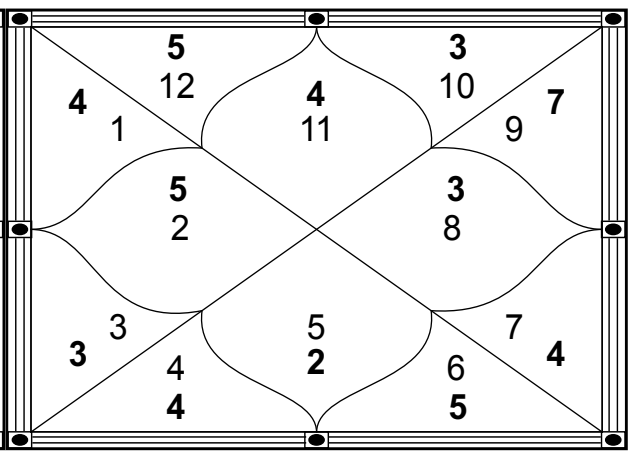

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 3 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष	
06/01/2026	
05/05/2027	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	06/01/2026
शनि	05/05/2027

केतु 7 वर्ष	
05/05/2027	
05/05/2034	
केतु	01/10/2027
शुक्र	30/11/2028
सूर्य	07/04/2029
चंद्र	06/11/2029
मंगल	04/04/2030
राहु	23/04/2031
गुरु	29/03/2032
शनि	08/05/2033
बुध	05/05/2034

शुक्र 20 वर्ष	
05/05/2034	
05/05/2054	
शुक्र	03/09/2037
सूर्य	04/09/2038
चंद्र	04/05/2040
मंगल	04/07/2041
राहु	04/07/2044
गुरु	05/03/2047
शनि	05/05/2050
बुध	05/03/2053
केतु	05/05/2054

सूर्य 6 वर्ष	
05/05/2054	
04/05/2060	
सूर्य	22/08/2054
चंद्र	21/02/2055
मंगल	29/06/2055
राहु	23/05/2056
गुरु	11/03/2057
शनि	21/02/2058
बुध	28/12/2058
केतु	05/05/2059
शुक्र	04/05/2060

चंद्र 10 वर्ष	
04/05/2060	
05/05/2070	
चंद्र	05/03/2061
मंगल	04/10/2061
राहु	05/04/2063
गुरु	04/08/2064
शनि	05/03/2066
बुध	04/08/2067
केतु	04/03/2068
शुक्र	03/11/2069
सूर्य	05/05/2070

मंगल 7 वर्ष	
05/05/2070	
05/05/2077	
मंगल	01/10/2070
राहु	19/10/2071
गुरु	24/09/2072
शनि	03/11/2073
बुध	31/10/2074
केतु	29/03/2075
शुक्र	29/05/2076
सूर्य	03/10/2076
चंद्र	05/05/2077

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

राहु 18 वर्ष	
05/05/2077	
05/05/2095	
राहु	16/01/2080
गुरु	10/06/2082
शनि	16/04/2085
बुध	04/11/2087
केतु	21/11/2088
शुक्र	22/11/2091
सूर्य	16/10/2092
चंद्र	17/04/2094
मंगल	05/05/2095

गुरु 16 वर्ष	
05/05/2095	
06/05/2111	
गुरु	22/06/2097
शनि	04/01/2100
बुध	11/04/2102
केतु	18/03/2103
शुक्र	16/11/2105
सूर्य	05/09/2106
चंद्र	05/01/2108
मंगल	10/12/2108
राहु	06/05/2111

शनि 19 वर्ष	
06/05/2111	
06/05/2130	
शनि	09/05/2114
बुध	16/01/2117
केतु	25/02/2118
शुक्र	26/04/2121
सूर्य	08/04/2122
चंद्र	08/11/2123
मंगल	17/12/2124
राहु	23/10/2127
गुरु	06/05/2130

बुध 17 वर्ष	
06/05/2130	
07/01/2146	
बुध	01/10/2132
केतु	29/09/2133
शुक्र	29/07/2136
सूर्य	05/06/2137
चंद्र	04/11/2138
मंगल	02/11/2139
राहु	21/05/2142
गुरु	26/08/2144
शनि	07/01/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शनि	
06/01/2026	
05/05/2027	
	00/00/0000
	00/00/0000
	06/01/2026
शुक्र	23/01/2026
सूर्य	13/03/2026
चंद्र	03/06/2026
मंगल	30/07/2026
राहु	25/12/2026
गुरु	05/05/2027

केतु - केतु	
05/05/2027	
01/10/2027	
केतु	14/05/2027
शुक्र	08/06/2027
सूर्य	15/06/2027
चंद्र	27/06/2027
मंगल	06/07/2027
राहु	29/07/2027
गुरु	17/08/2027
शनि	10/09/2027
बुध	01/10/2027

केतु - शुक्र	
01/10/2027	
30/11/2028	
शुक्र	11/12/2027
सूर्य	01/01/2028
चंद्र	06/02/2028
मंगल	02/03/2028
राहु	05/05/2028
गुरु	01/07/2028
शनि	06/09/2028
बुध	05/11/2028
केतु	30/11/2028

केतु - सूर्य	
30/11/2028	
07/04/2029	
सूर्य	07/12/2028
चंद्र	17/12/2028
मंगल	25/12/2028
राहु	13/01/2029
गुरु	30/01/2029
शनि	19/02/2029
बुध	09/03/2029
केतु	17/03/2029
शुक्र	07/04/2029

केतु - चंद्र	
07/04/2029	
06/11/2029	
चंद्र	25/04/2029
मंगल	07/05/2029
राहु	08/06/2029
गुरु	07/07/2029
शनि	09/08/2029
बुध	09/09/2029
केतु	21/09/2029
शुक्र	27/10/2029
सूर्य	06/11/2029

केतु - मंगल	
06/11/2029	
04/04/2030	
मंगल	15/11/2029
राहु	07/12/2029
गुरु	27/12/2029
शनि	20/01/2030
बुध	10/02/2030
केतु	19/02/2030
शुक्र	15/03/2030
सूर्य	23/03/2030
चंद्र	04/04/2030

केतु - राहु	
04/04/2030	
23/04/2031	
राहु	01/06/2030
गुरु	22/07/2030
शनि	21/09/2030
बुध	14/11/2030
केतु	06/12/2030
शुक्र	08/02/2031
सूर्य	28/02/2031
चंद्र	31/03/2031
मंगल	23/04/2031

केतु - गुरु	
23/04/2031	
29/03/2032	
गुरु	07/06/2031
शनि	31/07/2031
बुध	18/09/2031
केतु	07/10/2031
शुक्र	03/12/2031
सूर्य	20/12/2031
चंद्र	18/01/2032
मंगल	07/02/2032
राहु	29/03/2032

केतु - शनि	
29/03/2032	
08/05/2033	
शनि	01/06/2032
बुध	28/07/2032
केतु	21/08/2032
शुक्र	27/10/2032
सूर्य	17/11/2032
चंद्र	20/12/2032
मंगल	13/01/2033
राहु	15/03/2033
गुरु	08/05/2033

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - बुध	
08/05/2033	
05/05/2034	
बुध	28/06/2033
केतु	19/07/2033
शुक्र	17/09/2033
सूर्य	05/10/2033
चंद्र	05/11/2033
मंगल	26/11/2033
राहु	19/01/2034
गुरु	08/03/2034
शनि	05/05/2034

शुक्र - शुक्र	
05/05/2034	
03/09/2037	
शुक्र	24/11/2034
सूर्य	24/01/2035
चंद्र	05/05/2035
मंगल	15/07/2035
राहु	14/01/2036
गुरु	24/06/2036
शनि	03/01/2037
बुध	24/06/2037
केतु	03/09/2037

शुक्र - सूर्य	
03/09/2037	
04/09/2038	
सूर्य	22/09/2037
चंद्र	22/10/2037
मंगल	12/11/2037
राहु	06/01/2038
गुरु	24/02/2038
शनि	23/04/2038
बुध	13/06/2038
केतु	05/07/2038
शुक्र	04/09/2038

शुक्र - चंद्र	
04/09/2038	
04/05/2040	
चंद्र	24/10/2038
मंगल	29/11/2038
राहु	28/02/2039
गुरु	20/05/2039
शनि	25/08/2039
बुध	19/11/2039
केतु	24/12/2039
शुक्र	04/04/2040
सूर्य	04/05/2040

शुक्र - मंगल	
04/05/2040	
04/07/2041	
मंगल	29/05/2040
राहु	01/08/2040
गुरु	27/09/2040
शनि	03/12/2040
बुध	02/02/2041
केतु	27/02/2041
शुक्र	09/05/2041
सूर्य	30/05/2041
चंद्र	04/07/2041

शुक्र - राहु	
04/07/2041	
04/07/2044	
राहु	16/12/2041
गुरु	11/05/2042
शनि	31/10/2042
बुध	05/04/2043
केतु	07/06/2043
शुक्र	07/12/2043
सूर्य	31/01/2044
चद्र	01/05/2044
मंगल	04/07/2044

शुक्र - गुरु	
04/07/2044	
05/03/2047	
गुरु	11/11/2044
शनि	14/04/2045
बुध	30/08/2045
केतु	26/10/2045
शुक्र	06/04/2046
सूर्य	25/05/2046
चंद्र	14/08/2046
मंगल	10/10/2046
राहु	05/03/2047

शुक्र - शनि	
05/03/2047	
05/05/2050	
शनि	04/09/2047
बुध	15/02/2048
केतु	23/04/2048
शुक्र	01/11/2048
सूर्य	29/12/2048
चंद्र	05/04/2049
मंगल	11/06/2049
राहु	02/12/2049
गुरु	05/05/2050

शुक्र - बुध	
05/05/2050	
05/03/2053	
बुध	28/09/2050
केतु	28/11/2050
शुक्र	19/05/2051
सूर्य	10/07/2051
चंद्र	04/10/2051
मंगल	04/12/2051
राहु	07/05/2052
गुरु	22/09/2052
शनि	05/03/2053

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - केतु	
05/03/2053	
05/05/2054	
केतु	29/03/2053
शुक्र	09/06/2053
सूर्य	30/06/2053
चंद्र	04/08/2053
मंगल	29/08/2053
राहु	01/11/2053
गुरु	28/12/2053
शनि	05/03/2054
बुध	05/05/2054

सूर्य - सूर्य	
05/05/2054	
22/08/2054	
सूर्य	10/05/2054
चंद्र	19/05/2054
मंगल	26/05/2054
राहु	11/06/2054
गुरु	26/06/2054
शनि	13/07/2054
बुध	29/07/2054
केतु	04/08/2054
शुक्र	22/08/2054

सूर्य - चंद्र	
22/08/2054	
21/02/2055	
चंद्र	07/09/2054
मंगल	17/09/2054
राहु	15/10/2054
गुरु	08/11/2054
शनि	07/12/2054
बुध	02/01/2055
केतु	12/01/2055
शुक्र	12/02/2055
सूर्य	21/02/2055

सूर्य - मंगल	
21/02/2055	
29/06/2055	
मंगल	28/02/2055
राहु	20/03/2055
गुरु	06/04/2055
शनि	26/04/2055
बुध	14/05/2055
केतु	21/05/2055
शुक्र	12/06/2055
सूर्य	18/06/2055
चंद्र	29/06/2055

सूर्य - राहु	
29/06/2055	
23/05/2056	
राहु	17/08/2055
गुरु	30/09/2055
शनि	21/11/2055
बुध	07/01/2056
केतु	26/01/2056
शुक्र	21/03/2056
सूर्य	06/04/2056
चंद्र	03/05/2056
मंगल	23/05/2056

सूर्य - गुरु	
23/05/2056	
11/03/2057	
गुरु	30/06/2056
शनि	16/08/2056
बुध	26/09/2056
केतु	13/10/2056
शुक्र	01/12/2056
सूर्य	16/12/2056
चंद्र	09/01/2057
मंगल	26/01/2057
राहु	11/03/2057

सूर्य - शनि	
11/03/2057	
21/02/2058	
शनि	05/05/2057
बुध	23/06/2057
केतु	13/07/2057
शुक्र	09/09/2057
सूर्य	26/09/2057
चंद्र	25/10/2057
मंगल	14/11/2057
राहु	05/01/2058
गुरु	21/02/2058

सूर्य - बुध	
21/02/2058	
28/12/2058	
बुध	06/04/2058
केतु	24/04/2058
शुक्र	15/06/2058
सूर्य	30/06/2058
चंद्र	26/07/2058
मंगल	13/08/2058
राहु	29/09/2058
गुरु	09/11/2058
शनि	28/12/2058

सूर्य - केतु	
28/12/2058	
05/05/2059	
केतु	05/01/2059
शुक्र	26/01/2059
सूर्य	01/02/2059
चंद्र	12/02/2059
मंगल	19/02/2059
राहु	11/03/2059
गुरु	28/03/2059
शनि	17/04/2059
बुध	05/05/2059

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 11 मास 6 दिन

मंगल 12 वर्ष	
06/01/2026	
14/12/2026	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	06/01/2026
सूर्य	14/12/2026

गुरु 13 वर्ष	
14/12/2026	
14/12/2039	
गुरु	29/05/2028
शनि	23/12/2029
केतु	29/08/2031
चंद्र	14/06/2033
बुध	11/05/2035
शुक्र	16/05/2037
सूर्य	10/08/2038
मंगल	14/12/2039

शनि 14 वर्ष	
14/12/2039	
13/12/2053	
शनि	22/08/2041
केतु	14/06/2043
चंद्र	20/05/2045
बुध	08/06/2047
शुक्र	09/08/2049
सूर्य	07/12/2050
मंगल	19/05/2052
गुरु	13/12/2053

केतु 15 वर्ष	
13/12/2053	
13/12/2068	
केतु	22/11/2055
चंद्र	17/12/2057
बुध	27/02/2060
शुक्र	27/06/2062
सूर्य	28/11/2063
मंगल	17/06/2065
गुरु	21/02/2067
शनि	13/12/2068

चंद्र 16 वर्ष	
13/12/2068	
13/12/2084	
चंद्र	27/02/2071
बुध	03/07/2073
शुक्र	26/12/2075
सूर्य	03/07/2077
मंगल	27/02/2079
गुरु	13/12/2080
शनि	18/11/2082
केतु	13/12/2084

बुध 17 वर्ष	
13/12/2084	
14/12/2101	
बुध	11/06/2087
शुक्र	30/01/2090
सूर्य	10/09/2091
मंगल	14/06/2093
गुरु	11/05/2095
शनि	29/05/2097
केतु	10/08/2099
चंद्र	14/12/2101

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

षोडशोत्तरी दशा

शुक्र 18 वर्ष	
14/12/2101	
15/12/2119	
शुक्र	30/09/2104
सूर्य	15/06/2106
मंगल	25/04/2108
गुरु	02/05/2110
शनि	03/07/2112
केतु	01/11/2114
चंद्र	25/04/2117
बुध	15/12/2119

सूर्य 11 वर्ष	
15/12/2119	
15/12/2130	
सूर्य	30/12/2120
मंगल	19/02/2122
गुरु	15/05/2123
शनि	11/09/2124
केतु	12/02/2126
चंद्र	20/08/2127
बुध	31/03/2129
शुक्र	15/12/2130

मंगल 12 वर्ष	
15/12/2130	
07/01/2142	
मंगल	12/03/2132
गुरु	16/07/2133
शनि	27/12/2134
केतु	16/07/2136
चंद्र	13/03/2138
बुध	15/12/2139
शुक्र	25/10/2141
सूर्य	07/01/2142

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

RAJ JYOTISHI PANDIT MUKESH SHASTRI
M/S GOOD LUCK
300,MAHAVEER NAGAR 2ND,MAHARANI FARM,DURGAPURA,JAIPUR-302018
09414824459,07410996999
www.goodlucktips.com,www,panditmukeshshastri.com
E-mail: panditmukesh.shastri@gmail.com,astrologergoodluck1783@gmail.com

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 10 मास 18 दिन

बुध 11 वर्ष	
06/01/2026	
25/11/2026	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	06/01/2026
शनि	25/11/2026

केतु 5 वर्ष	
25/11/2026	
26/07/2031	
केतु	04/03/2027
शुक्र	13/12/2027
सूर्य	07/03/2028
चंद्र	27/07/2028
मंगल	04/11/2028
राहु	18/07/2029
गुरु	02/03/2030
शनि	27/11/2030
बुध	26/07/2031

शुक्र 13 वर्ष	
26/07/2031	
24/11/2044	
शुक्र	15/10/2033
सूर्य	15/06/2034
चंद्र	26/07/2035
मंगल	05/05/2036
राहु	06/05/2038
गुरु	14/02/2040
शनि	26/03/2042
बुध	14/02/2044
केतु	24/11/2044

सूर्य 4 वर्ष	
24/11/2044	
24/11/2048	
सूर्य	05/02/2045
चंद्र	07/06/2045
मंगल	31/08/2045
राहु	07/04/2046
गुरु	19/10/2046
शनि	07/06/2047
बुध	31/12/2047
केतु	26/03/2048
शुक्र	24/11/2048

चंद्र 7 वर्ष	
24/11/2048	
26/07/2055	
चंद्र	15/06/2049
मंगल	04/11/2049
राहु	04/11/2050
गुरु	25/09/2051
शनि	15/10/2052
बुध	25/09/2053
केतु	14/02/2054
शुक्र	26/03/2055
सूर्य	26/07/2055

मंगल 5 वर्ष	
26/07/2055	
26/03/2060	
मंगल	03/11/2055
राहु	15/07/2056
गुरु	28/02/2057
शनि	24/11/2057
बुध	24/07/2058
केतु	31/10/2058
शुक्र	11/08/2059
सूर्य	05/11/2059
चंद्र	26/03/2060

त्रिभगी दशा

राहु 12 वर्ष	
26/03/2060	
26/03/2072	
राहु	12/01/2062
गुरु	20/08/2063
शनि	13/07/2065
बुध	26/03/2067
केतु	07/12/2067
शुक्र	07/12/2069
सूर्य	14/07/2070
चंद्र	14/07/2071
मंगल	26/03/2072

गुरु 11 वर्ष	
26/03/2072	
25/11/2082	
गुरु	27/08/2073
शनि	06/05/2075
बुध	08/11/2076
केतु	23/06/2077
शुक्र	04/04/2079
सूर्य	15/10/2079
चंद्र	04/09/2080
मंगल	19/04/2081
राहु	25/11/2082

शनि 13 वर्ष	
25/11/2082	
26/07/2095	
शनि	26/11/2084
बुध	13/09/2086
केतु	09/06/2087
शुक्र	20/07/2089
सूर्य	08/03/2090
चंद्र	28/03/2091
मंगल	23/12/2091
राहु	16/11/2093
गुरु	26/07/2095

बुध 11 वर्ष	
26/07/2095	
07/01/2106	
बुध	04/03/2097
केतु	31/10/2097
शुक्र	21/09/2099
सूर्य	16/04/2100
चंद्र	27/03/2101
मंगल	23/11/2101
राहु	06/08/2103
गुरु	08/02/2105
शनि	07/01/2106

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 11 वर्ष 6 मास 15 दिन

चंद्र 15 वर्ष	
06/01/2026	
23/07/2037	
	00/00/0000
	06/01/2026
बुध	11/02/2028
शनि	02/07/2029
गुरु	21/02/2032
राहु	22/10/2033
शुक्र	21/09/2036
सूर्य	23/07/2037

मंगल 8 वर्ष	
23/07/2037	
23/07/2045	
मंगल	24/02/2038
बुध	30/05/2039
शनि	25/02/2040
गुरु	23/07/2041
राहु	12/06/2042
शुक्र	02/01/2044
सूर्य	12/06/2044
चंद्र	23/07/2045

बुध 17 वर्ष	
23/07/2045	
23/07/2062	
बुध	26/03/2048
शनि	22/10/2049
गुरु	18/10/2052
राहु	08/09/2054
शुक्र	29/12/2057
सूर्य	09/12/2058
चंद्र	19/04/2061
मंगल	23/07/2062

शनि 10 वर्ष	
23/07/2062	
23/07/2072	
शनि	26/06/2063
गुरु	30/03/2065
राहु	10/05/2066
शुक्र	19/04/2068
सूर्य	08/11/2068
चंद्र	30/03/2070
मंगल	26/12/2070
बुध	23/07/2072

गुरु 19 वर्ष	
23/07/2072	
23/07/2091	
गुरु	25/11/2075
राहु	04/01/2078
शुक्र	15/09/2081
सूर्य	05/10/2082
चंद्र	26/05/2085
मंगल	22/10/2086
बुध	19/10/2089
शनि	23/07/2091

राहु 12 वर्ष	
23/07/2091	
24/07/2103	
राहु	21/11/2092
शुक्र	24/03/2095
सूर्य	22/11/2095
चंद्र	23/07/2097
मंगल	12/06/2098
बुध	03/05/2100
शनि	13/06/2101
गुरु	24/07/2103

अष्टोत्तरी दशा

शुक्र 21 वर्ष	
24/07/2103	
24/07/2124	
शुक्र	24/08/2107
सूर्य	23/10/2108
चंद्र	23/09/2111
मंगल	13/04/2113
बुध	03/08/2116
शनि	14/07/2118
गुरु	24/03/2122
राहु	24/07/2124

सूर्य 6 वर्ष	
24/07/2124	
24/07/2130	
सूर्य	22/11/2124
चंद्र	23/09/2125
मंगल	04/03/2126
बुध	12/02/2127
शनि	03/09/2127
गुरु	22/09/2128
राहु	24/05/2129
शुक्र	24/07/2130

चंद्र 15 वर्ष	
24/07/2130	
00/00/0000	
चंद्र	23/08/2132
मंगल	03/10/2133
बुध	07/01/2134
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : भ्रामरी 0 वर्ष 3 मास 22 दिन

भ्रामरी 4 वर्ष	
06/01/2026	
30/04/2026	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	06/01/2026
धांय	30/04/2026

भद्रिका 5 वर्ष	
30/04/2026	
30/04/2031	
भद्रि	08/01/2027
उल्क	09/11/2027
सिद्ध	29/10/2028
संक	09/12/2029
मंग	29/01/2030
पिंग	10/05/2030
धांय	09/10/2030
भ्राम	30/04/2031

उल्का 6 वर्ष	
30/04/2031	
30/04/2037	
उल्क	29/04/2032
सिद्ध	29/06/2033
संक	29/10/2034
मंग	29/12/2034
पिंग	30/04/2035
धांय	30/10/2035
भ्राम	29/06/2036
भद्रि	30/04/2037

सिद्धा 7 वर्ष	
30/04/2037	
29/04/2044	
सिद्ध	09/09/2038
संक	30/03/2040
मंग	09/06/2040
पिंग	29/10/2040
धांय	30/05/2041
भ्राम	10/03/2042
भद्रि	28/02/2043
उल्क	29/04/2044

संकटा 8 वर्ष	
29/04/2044	
29/04/2052	
संक	08/02/2046
मंग	30/04/2046
पिंग	09/10/2046
धांय	10/06/2047
भ्राम	29/04/2048
भद्रि	09/06/2049
उल्क	09/10/2050
सिद्ध	29/04/2052

मंगला 1 वर्ष	
29/04/2052	
30/04/2053	
मंग	09/05/2052
पिंग	30/05/2052
धांय	29/06/2052
भ्राम	09/08/2052
भद्रि	29/09/2052
उल्क	28/11/2052
सिद्ध	07/02/2053
संक	30/04/2053

योगिनी दशा

पिंगला 2 वर्ष	
30/04/2053	
30/04/2055	
पिंग	09/06/2053
धांय	09/08/2053
भ्राम	29/10/2053
भद्रि	08/02/2054
उल्क	09/06/2054
सिद्ध	29/10/2054
संक	10/04/2055
मंग	30/04/2055

धान्या 3 वर्ष	
30/04/2055	
30/04/2058	
धांय	30/07/2055
भ्राम	29/11/2055
भद्रि	29/04/2056
उल्क	29/10/2056
सिद्ध	30/05/2057
संक	29/01/2058
मंग	28/02/2058
पिंग	30/04/2058

भ्रामरी 4 वर्ष	
30/04/2058	
30/04/2062	
भ्राम	09/10/2058
भद्रि	30/04/2059
उल्क	30/12/2059
सिद्ध	09/10/2060
संक	29/08/2061
मंग	09/10/2061
पिंग	29/12/2061
धांय	30/04/2062

भद्रिका 5 वर्ष	
30/04/2062	
30/04/2067	
भद्रि	08/01/2063
उल्क	09/11/2063
सिद्ध	29/10/2064
संक	09/12/2065
मंग	29/01/2066
पिंग	10/05/2066
धांय	09/10/2066
भ्राम	30/04/2067

उल्का 6 वर्ष	
30/04/2067	
30/04/2073	
उल्क	29/04/2068
सिद्ध	29/06/2069
संक	29/10/2070
मंग	29/12/2070
पिंग	30/04/2071
धांय	30/10/2071
भ्राम	29/06/2072
भद्रि	30/04/2073

सिद्धा 7 वर्ष	
30/04/2073	
29/04/2080	
सिद्ध	09/09/2074
संक	30/03/2076
मंग	09/06/2076
पिंग	29/10/2076
धांय	30/05/2077
भ्राम	10/03/2078
भद्रि	28/02/2079
उल्क	29/04/2080

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा पूरे 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

चर दशा

भोग्य दशा काल : कुम्भ 11 वर्ष 0 मास 0 दिन

कुम्भ 11 वर्ष	
06/01/2026	
06/01/2037	
मीन	07/12/2026
मेष	07/11/2027
वृष	06/10/2028
मिथु	06/09/2029
कर्क	07/08/2030
सिंह	08/07/2031
कन्या	07/06/2032
तुला	07/05/2033
वृश्चि	07/04/2034
धनु	08/03/2035
मक	06/02/2036
कुंभ	06/01/2037

मीन 9 वर्ष	
06/01/2037	
06/01/2046	
मेष	07/10/2037
वृष	08/07/2038
मिथु	07/04/2039
कर्क	06/01/2040
सिंह	06/10/2040
कन्या	07/07/2041
तुला	07/04/2042
वृश्चि	06/01/2043
धनु	07/10/2043
मक	07/07/2044
कुंभ	07/04/2045
मीन	06/01/2046

मेष 8 वर्ष	
06/01/2046	
06/01/2054	
वृष	06/09/2046
मिथु	08/05/2047
कर्क	06/01/2048
सिंह	06/09/2048
कन्या	07/05/2049
तुला	06/01/2050
वृश्चि	06/09/2050
धनु	08/05/2051
मक	06/01/2052
कुंभ	06/09/2052
मीन	07/05/2053
मेष	06/01/2054

वृष 7 वर्ष	
06/01/2054	
06/01/2061	
मेष	07/08/2054
मीन	08/03/2055
कुंभ	07/10/2055
मक	07/05/2056
धनु	06/12/2056
वृश्चि	07/07/2057
तुला	05/02/2058
कन्या	06/09/2058
सिंह	07/04/2059
कर्क	07/11/2059
मिथु	07/06/2060
वृष	06/01/2061

मिथुन 6 वर्ष	
06/01/2061	
06/01/2067	
वृष	07/07/2061
मेष	06/01/2062
मीन	08/07/2062
कुंभ	06/01/2063
मक	08/07/2063
धनु	06/01/2064
वृश्चि	07/07/2064
तुला	06/01/2065
कन्या	07/07/2065
सिंह	06/01/2066
कर्क	08/07/2066
मिथु	06/01/2067

कर्क 12 वर्ष	
06/01/2067	
06/01/2079	
मिथु	06/01/2068
वृष	06/01/2069
मेष	06/01/2070
मीन	06/01/2071
कुंभ	06/01/2072
मक	06/01/2073
धनु	06/01/2074
वृश्चि	06/01/2075
तुला	06/01/2076
कन्या	06/01/2077
सिंह	06/01/2078
कर्क	06/01/2079

चर दशा

सिंह 8 वर्ष	
06/01/2079	
06/01/2087	
कन्या	07/09/2079
तुला	07/05/2080
वृश्चि	06/01/2081
धनु	06/09/2081
मक	08/05/2082
कुंभ	06/01/2083
मीन	07/09/2083
मेष	07/05/2084
वृष	06/01/2085
मिथु	06/09/2085
कर्क	08/05/2086
सिंह	06/01/2087

कन्या 9 वर्ष	
06/01/2087	
06/01/2096	
तुला	07/10/2087
वृश्चि	07/07/2088
धनु	07/04/2089
मक	06/01/2090
कुंभ	07/10/2090
मीन	08/07/2091
मेष	07/04/2092
वृष	06/01/2093
मिथु	07/10/2093
कर्क	08/07/2094
सिंह	07/04/2095
कन्या	06/01/2096

तुला 2 वर्ष	
06/01/2096	
06/01/2098	
वृश्चि	07/03/2096
धनु	07/05/2096
मक	07/07/2096
कुंभ	06/09/2096
मीन	06/11/2096
मेष	06/01/2097
वृष	08/03/2097
मिथु	07/05/2097
कर्क	07/07/2097
सिंह	06/09/2097
कन्या	06/11/2097
तुला	06/01/2098

वृश्चिक 1 वर्ष	
06/01/2098	
06/01/2099	
तुला	05/02/2098
कन्या	08/03/2098
सिंह	07/04/2098
कर्क	08/05/2098
मिथु	07/06/2098
वृष	08/07/2098
मेष	07/08/2098
मीन	06/09/2098
कुंभ	07/10/2098
मक	06/11/2098
धनु	07/12/2098
वृश्चि	06/01/2099

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

शुभाशुभ ज्ञानम्

मूलांक	6
भाग्यांक	8
मित्र अंक	3, 4, 6, 9, 8
शत्रु अंक	1, 7,
शुभ वर्ष	24,33,42,51,60
शुभ दिन	शुक्र, शनि, मंगल
शुभ ग्रह	शुक्र, शनि, मंगल
मित्र राशि	मीन, मेष
मित्र लग्न	वृष, तुला, धनु
अनुकूल देवता	शिव
शुभ रत्न	नीलम
शुभ उपरत्न	जमुनिया, बिलौर
भाग्य रत्न	हीरा
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
शुभ दिशा	पश्चिम
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह
दान अन्न	उड़द
दान द्रव्य	तेल

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	6
भाग्यांक	8
मित्र अंक	3, 4, 6, 9, 8
शत्रु अंक	1, 7,
शुभ वर्ष	24,33,42,51,60
शुभ दिन	शुक्र, शनि, मंगल
शुभ ग्रह	शुक्र, शनि, मंगल
मित्र राशि	मीन, मेष
मित्र लग्न	वृष, तुला, धनु
अनुकूल देवता	शिव
शुभ रत्न	नीलम
शुभ उपरत्न	जमुनिया, बिलौर
भाग्य रत्न	हीरा
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
शुभ दिशा	पश्चिम
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह
दान अन्न	उड़द
दान द्रव्य	तेल

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन–तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

जीवन रत्नः	नीलम		धन, कम खर्च, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	हीरा		धनार्जन, सुख, भाग्योदय
कारक रत्नः	मूंगा		धनार्जन, पराक्रम, व्यावसायिक उन्नति
शुभ उपरत्नः	पुखराज		सन्तति सुख, धनार्जन, धन
दशा	**रत्न**	**क्षमता**	**मंत्र–जप / व्रत / दान / लाभ**
बुध	हीरा	91%	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
06/01/2026	पन्ना	78%	बुधवार,मूँग, हाथी दाँत, कपूर, फल, घी
05/05/2027	पुखराज	77%	धनार्जन, सन्तति सुख, दुर्घटना से बचाव
केतु	हीरा	91%	ऊँ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः (17000)
05/05/2027	मूंगा	80%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, तेल
05/05/2034	पुखराज	77%	दम्पति, सन्तति सुख, दुर्घटना से बचाव
शुक्र	हीरा	97%	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
05/05/2034	नीलम	80%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
05/05/2054	गोमेद	80%	धनार्जन, सुख, भाग्योदय
सूर्य	पुखराज	83%	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
05/05/2054	मूंगा	80%	रविवार,गेहुँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
04/05/2060	हीरा	72%	धनार्जन, दम्पति, भाग्योदय
चन्द्र	हीरा	84%	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
04/05/2060	पुखराज	77%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
05/05/2070	मूंगा	73%	शत्रु व रोग मुक्ति, दम्पति, भाग्योदय
मंगल	मूंगा	86%	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
05/05/2070	हीरा	84%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, घी
05/05/2077	पुखराज	83%	धनार्जन, पराक्रम, व्यावसायिक उन्नति
राहु	हीरा	91%	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः (18000)
05/05/2077	गोमेद	86%	शनिवार,तिल, सरसों, खड़ग, कम्बल, घी
05/05/2095	नीलम	80%	स्वास्थ्य, पराक्रम, व्यावसायिक उन्नति

नवग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4–1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ऊँ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ,चंदन,घी,लाल वस्त्र
मोती	ऊँ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल,चीनी,घी,श्वेत वस्त्र
मूंगा	ऊँ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ,ताम्र,गुड़,लाल वस्त्र
पन्ना	ऊँ बुं बुधाय नमः	———	मूंग,कांसा,हरित वस्त्र
पुखराज	ऊँ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल,गुड़,पीला वस्त्र
हीरा	ऊँ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल,चांदी,श्वेत वस्त्र
नीलम	ऊँ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल,तेल,काला वस्त्र
गोमेद	ऊँ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल,तेल,कंबल,नीला वस्त्र
लहसुनिया	ऊँ कें केतवे नमः	———	सप्तधान्य,नारियल,धूम्र वस्त्र

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पङता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पङता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	31/05/2032-13/07/2034	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	27/08/2036-22/10/2038	05/04/2039-13/07/2039	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/02/2052-14/05/2054	02/09/2054-05/02/2055	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
साढेसाती द्वितीय ढैया	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
साढेसाती तृतीय ढैया	13/10/2065-03/02/2066	03/07/2066-30/08/2068	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	12/04/2081-03/08/2081	07/01/2082-20/03/2084	----------

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	19/09/2090-25/10/2090	21/05/2091-02/07/2093	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	02/07/2093-18/08/2095	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	18/08/2095-11/10/2097	02/05/2098-20/06/2098	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	26/12/2099-17/03/2100	16/09/2100-03/12/2102	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	17/02/2111-02/05/2113	22/09/2113-26/01/2114	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	**फल**	**क्षेत्र**
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	सन्तति
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	शत्रु से कष्ट
साढेसाती तृतीय ढैया	सम	दाम्पत्य कलह
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	भाग्योदय
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	स्वास्थ्य

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म–पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न–भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	शनि, शुक्र, बुध
		मारक	-	सूर्य, चंद्र, गुरु
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	राहु, शनि, मंगल
		मारक	-	केतु, सूर्य, चंद्र

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	44%	धनार्जन, दम्पति
चन्द्र	44%	शत्रु व रोग मुक्ति,
मंगल	51%	धनार्जन, पराक्रम, व्यावसायिक उन्नति
बुध	45%	धनार्जन, सन्तति सुख, दुर्घटना से बचाव
गुरु	50%	सन्तति सुख, धनार्जन, धन
शुक्र	50%	धनार्जन, सुख, भाग्योदय
शनि	54%	धन, कम खर्च, स्वास्थ्य
राहु	76%	स्वास्थ्य, धन
केतु	29%	दम्पति, धनार्जन

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
बुध	05/05/2027	84	28	75	85	43	87	58	56	49
केतु	05/05/2034	44	28	73	57	43	72	33	44	77
शुक्र	05/05/2054	59	28	75	85	43	87	70	69	62
सूर्य	04/05/2060	84	53	88	72	56	62	45	44	37
चन्द्र	05/05/2070	53	84	44	53	43	43	62	44	20
मंगल	05/05/2077	84	53	88	60	56	75	58	44	62
राहु	05/05/2095	28	28	31	41	60	56	58	100	20
गुरु	06/05/2111	53	53	56	28	87	31	59	73	33
शनि	06/05/2130	42	44	45	67	56	70	89	69	20

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर–कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए। जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपकी जन्म कुंडली में मंगल की स्थिति एकादश भाव में है। यह भाव आय समृद्धि आदि का प्रतिनिधि भाव है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही आपके आय स्रोत भी एक से अधिक रहेंगे। जिससे धनऐश्वर्य से आप सर्वदा युक्त रहेंगी। जीवन में जमीन जायदाद से भी आपको प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से नित्य लाभ होता रहेगा तथा इसके क्रय विक्रय से भी आप प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। समाज में आप एक प्रतिष्ठित महिला होंगी। सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही किसी विशिष्ट सम्मान भी आपको प्राप्ति हो सकती है। इस प्रकार धनऐश्वर्य से युक्त होकर आप अपना जीवन यापन करेंगी ।

एकादश भाव से द्वितीय भाव पर चतुर्थ दृष्टि के प्रभाव से आपकी पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी। यदाकदा पारिवारिक जनों के मध्य मतभेद या तनाव भी उत्पन्न होंगे लेकिन इसका प्रभाव अल्प ही रहेगा। वाणी से भी आप यदा कदा कठोरता का प्रदर्शन करेंगी एवं प्रारंभिक शिक्षा अर्जित करने में भी न्यूनाधिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। पंचम भाव पर मंगल की दृष्टि से संतति से आप युक्त रहेगी लेकिन संतति प्राप्ति में किंचित विलम्ब हो सकता है। साथ ही उनसे आपको जीवन में सुख एवं सहयोग भी सामान्य ही प्राप्त होगा। उच्च शिक्षा को आप परिश्रम पूर्वक प्राप्त करेंगी तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी समय समय पर लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। षष्ठ भाव में मंगल की दृष्टि के प्रभाव से शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगी। साथ ही किसी प्रतियोगी परीक्षा मुकद्दमें या चुनाव आदि में भी आपको सफलता प्राप्त होती रहेगी। लेकिन शरीर में यदा कदा गर्मी या पित आदि से कोई परेशानी हो सकती है। परन्तु इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। साथ ही मामा आदि से भी सुख सहयोग की न्यूनता रहेगी परन्तु आपका सामान्य जीवन सुखी रहेगा।

इस प्रकार आप धनऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे तथा यत्न पूर्वक पारिवारिक जनों को आधुनिक सुख सुविधा प्रदान करने के लिए तत्पर रहेगी एवं इसमें आपको सफलता भी मिलेगी। साथ ही पारिवारिक जनों से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा सभी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आपके परस्पर संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं। काल सर्प योग के उपाय इन कष्टों से राहत के लिये आवश्यक हो जाते हैं।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

नक्षत्रफल

आपका जन्म आश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ हैं। अतः आपकी योनि मार्जार, वर्ग श्वान, वर्ण विप्र, गण राक्षस तथा नाड़ी अन्त्य होगी। आपकी जन्म राशि कर्क तथा राशि स्वामी चन्द्रमा होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का आद्याक्षर "डो" अक्षर से प्रारम्भ होगा।

आश्लेषा नक्षत्र की गणना गण्डमूल नक्षत्र के अर्न्तगत की जाती हैं। चूंकि आप इस नक्षत्र के चतुर्थ चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आप पिता के लिए कष्टकारी होंगी। इसलिए जन्म समय में इस नक्षत्र की शान्ति पूर्ण शास्त्रीय विधि विधान से किसी योग्य विद्वान द्वारा अवश्य करा लेनी चाहिए जिससे अशुभ फलों का प्रभाव खत्म या न्यून हो सके। इसके लिए इस नक्षत्र के कम से कम 28000 जप करने चाहिए तथा 27 दिन बाद जब पुनः यह नक्षत्र आये तो जपे हुए मत्रों के दशांश का हवन करना चाहिए।

मंत्र – ऊँ नमोस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु।
ये अन्तरिक्षे ये दिवि तेभ्यः सर्पेभ्यो नमः।।

अर्थात आश्लेषा नक्षत्र में पैदा हुआ मनुष्य स्वस्थ शरीर वाला, माता पिता का भक्त, अपने धर्म में आस्था रखने वाला, नम्र, लोक में मान्य तथा धनवाहन आदि के सुख से परिपूर्ण होता है।

आप यात्रा तथा भ्रमण करने में अपने अधिकांश समय को व्यतीत करेंगी तथा कठोर कार्यों को सम्पन्न करेंगी। आप अपने इन कठोर चेष्टाओ से अन्य जनों को भी दुःखी करेंगी। आप धनाभाव से ग्रस्त नहीं रहेंगी परन्तु अपने अर्जित धन को भी अनावश्यक कार्यों पर व्यय करेंगी। साथ ही विलासिता प्रबलता से भी आप युक्त रहेंगी।

वृथाटनः स्यादितिदुष्टचेष्टः कष्टप्रदाश्चापि वृथा जनानाम्।
सर्पि सदर्थोहि वृथार्पितार्थः कन्दर्पसंतप्तमना मनुष्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् आश्लेषा नक्षत्र में उत्पन्न जातक व्यर्थ घूमने वाला, दुष्ट प्रकृति से लोगों को कष्ट देने वाला, अपने उत्तम धन को वुरे कर्मो में खर्च करने वाला, विलासी तथा कामातुर रहता है।

दूसरे लोगों की सुन्दर वस्तुओं के प्रति आप आकर्षित रहेंगी। शरीर से भी आप स्वस्थ ही रहेंगी। अन्य लोगों के द्वारा उपकृत होने पर आप उनका उपकार अल्प ही मानेंगी। आप पूर्व कृत कार्यों को भी करने वाली होंगी।

लुब्धः खञ्जः कृशाङ्गश्च पुनः पुनः।

आश्लेषायां समुद्भूतः कृतकर्मा भविष्यति।।
जातक दीपिका

अर्थात आश्लेषा में जन्मा मनुष्य लोभी, लंगडा, कमजोर शरीर वाला, कृतघ्न तथा किये गये कार्यों को करने वाला होता है।

खाने में भक्ष्याभक्ष्य का आप कोई भेद नही रखेंगी तथा एक प्रकार से सर्वभक्षी होंगी अर्थात सात्विक या तामसिक जो भी मिला उसे खाने की इच्छा करेंगी। आप कभी कभी कठोरकर्मों को भी सम्पन्न करेंगी। इसलिए सामाजिक जनों से आपका वैमनस्य भी रहेगा। अवसर के अनुसार आप कभी कभी मिथ्या भाषण का भी जीवन में आश्रय ले सकती हैं।

सर्वभक्षी कृतान्तश्च कृतघ्नो वञ्चकः खलः।
आश्लेषायां नरो जातः कृतकर्मा हि जायते।।
मानसागरी

अर्थात आश्लेषा में पैदा हुआ बालक सर्वभक्षी, कार्यकर्ता, कृतघ्न, ठग, दुर्जन तथा किये हुए कार्यों को करने वाला होता है।

आपकी ज्ञान प्राप्ति में रूचि अल्प मात्रा में ही रहेगी अतः बुद्धि भी मध्यम ही रहेगी। आपको क्रोध भी अधिक ही आएगा तथा आचरण से भी आप सामान्य ही होंगी। आपके अधिकांश कार्य कठोरता से युक्त रहेंगे। समाज से आपको सम्मान तथा सहानुभूति मिलती रहेगी।

सार्पे मूढ़मतिः कृतघ्नवचनः पापी दुराचार वान।
जातक परिजातः

अर्थात् आश्लेषा में उत्पन्न जातक मूढ़मति कृतघ्नतापूर्ण वाणी बोलने वाला, क्रोधी तथा दुराचारी होता है।

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ है। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते है। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता है। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनों से भी हीन रहता है। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती है। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित है। अतः आपके लिए यह अशुभ नहीं रहेगा। अपितु अधिकांश शुभ ही रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शत्रु भी अल्प मात्रा में ही रहेंगे वे सभी आपसे पराजित तथा प्रभावित रहेंगे। कभी कभी आप स्वाभाविक रूप से क्रोध या उग्रता का भी प्रदर्शन करेंगी। आप सुन्दर एवं आकर्षक महिला होंगी तथा शरीर में लावण्यता पूर्ण रूपेण विद्यमान रहेगी। जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक

इनका उपभोग करेंगी। इसके अतिरिक्त कभी कभी आप अल्प मात्रा में शारीरिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी।

कर्क राशि में जन्म लेने के कारण आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आप अपने सभी कार्यों को चतुराई के साथ सम्पन्न करेंगी। साथ ही धन का भी आपके पास अभाव नहीं रहेगा इससे हमेशा युक्त रहकर धनवान कहलाएंगी। समाज तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में आप शीघ्र सफलता प्राप्त करेंगी। धर्म में आपकी पूर्ण निष्ठा रहेगी तथा नियमपूर्वक धर्म का पालन करने में हमेशा प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने श्रेष्ठ संबंधियों तथा गुरूजनों की प्रिय तथा स्नेह की पात्र रहेगी तथा सभी से आपको पूर्ण सहयोग की प्राप्ति होगी। आप अत्यन्त ही बुद्धिमती होंगी तथा अपनी बुद्धिमता से अनेक कार्यों में सफलता अर्जित करेंगी। यदा कदा आप में क्रोध की भी बहुलता दृष्टिगोचर होगी एवं कभी कभी आप अपने को अत्यन्त दुःखी तथा निराश अनुभव करेंगी। आप अच्छे मित्रों से भी सुशोभित रहेंगी तथा अन्य कार्यों को भी जानने वाली होंगी। आपके शरीर में बल का भी अभाव रहेगा तथा अपने घर से अन्यत्र कहीं जाकर प्रवास करेंगी।

कार्यकारी धनीशूरो धर्मिष्ठो गुरूवत्सलः।
शिरो रोगी महाबुद्धिः कृशाङ्गः कृत्यवित्तमः।।
प्रवासशीलः कोपाढ्योऽबलो दुःखी सुमित्रकः।
अनासक्तो गृहे वक्रः कर्कराशौ भवेन्नरः।।
मानसागरी

आप वात तथा कफ मिश्रित प्रकृति वाली होंगी तथा आपका सौन्दर्य अत्यन्त ही आकर्षक एवं दर्शनीय होगा। आप स्वयं धनार्जन करने में पूर्ण सफलता प्राप्त करेंगी तथा विपुल धन से युक्त होकर धनाढ्य कहलाएंगी। ब्राहमण तथा देवताओं में आपकी पूर्ण आस्था रहेगी तथा अवसरानुकूल इनकी सेवा तथा पूजा करने हेतु यत्नशील रहेंगी। श्रेष्ठकुल में उत्पन्न लोगों के प्रति आपके मन में असीम सेवा तथा सहयोग का भाव रहेगा। इनकी सेवा करके तथा उन्हें सहयोग प्रदान करके आप अत्यन्त शान्ति की अनुभूति करेंगी।

पवनकफशरीरो देव संकाश रूपः।
स्वयमुपचित्तवित्तो देवताविप्रभक्तः।।
कुलजन परिसेवी मण्डलाकार मध्ये।
भवति विपुलवित्तः कर्कटौ यस्यराशिः।।
जातक दीपिका

वेदादिशास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए आप रूचिशील रहेंगी तथा परिश्रम से इनका ज्ञान प्राप्त करेंगी साथ ही अन्य कलाओं के विषय में भी आपको पूर्ण ज्ञान रहेगा। आपका आचरण श्रेष्ठ तथा अन्य जनों के लिए अनुकरणीय होगा। आपको फूलों की सुगन्ध तथा जल में क्रीड़ा करने से प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त अपनी बुद्धिमता से आप समाज में विख्यात होंगी।

श्रुतकलाबलनिर्मलवृतयः कुसुमगंध जलाशयकेलयः।
किल नरास्तु कुलीरगते विधौ वसुमतीसुमती स्मितलब्धयः।
जातकाभरणम्

आप पूर्ण रूप से पति को वश में रखेंगी। आपके समस्त मित्र सद्गुणों से युक्त होंगे तथा जलविहार करना आपका प्रिय शौक होगा। आप बहुत से भवनों के निर्माता होंगी अथवा बहुत से मकानों की स्वामिनी भी बन सकती हैं। आपका कद भी मध्यम रहेगा तथा वक्रगति से शीघ्र चलना आपको रूचिकर लगेगा। साथ ही संतति में पुत्रों की संख्या भी आपकी अल्प ही रहेगी।

स्त्रीनिर्जितः पीनगलः सन्मित्रो वहवालयास्तुकट्यिर्धनाढ्यः।
ह्रस्वश्च वक्रो द्रुतगः कुलीरे मेधान्वितस्तोयरतोळल्प पुत्रः।।
फल दीपिका

आप अपने जीवन में नाना प्रकार की सुखसम्पतियों का उपभोग करने वाली होंगी तथा ज्योतिष शास्त्र की आप ज्ञाता एवं श्रद्धालु रहेंगी तथा स्वभाव से भी सुशील रहेंगी। आप अपने सम्पूर्ण जीवन में चन्द्रकलाओं के समान क्षय वृद्धि को प्राप्त करती रहेंगी अर्थात् जीवन उतार चढाव से संघर्ष पूर्ण रहेगा। आप स्नेहाभिभूत होकर ही वश में की जा सकेंगी। दबाव या बलपूर्वक आपसे कोई कार्य नहीं करवाया जा सकेगा। मित्रों को आप पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगी फलतः मित्रों के प्रिय रहेंगे। आपकी रूचि जीवपालन, उद्यान तथा जलाशयादि के निर्माण में निरन्तर रहेगी।

आवकद्रुतगः समुन्नतकटिः स्त्रीनिर्जितः सत्सुहृद्।
देवज्ञा प्रचुरालयः क्षयधनैः सयुंज्यतेः चन्द्रवत्।।
ह्स्वः पीनगलः समेति च वशं साम्ना सुहृदवत्सलः।
तोयोद्यानरतः स्ववेश्मसहितै जातः शशाळङकैः नरः।।
बृहज्जातकम्

आप हमेशा सौभाग्य से युक्त रहेंगी तथा समस्त कार्यों को धैर्यपूर्वक सम्पन्न करेंगी। साथ ही घर के सुख को प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगी। लेकिन आप अधिकांश समय भ्रमण तथा यात्रा पर ही रहेंगी। आपका लोगों से विनम्रता का व्यवहार रहेगा। फलतः सभी लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। सैक्स की प्रबलता से भी आप युक्त रहेंगी तथा उपकार करने वालो की आप पूर्ण कृतज्ञ रहेंगी। आप अपनी योग्यता तथा बुद्धिबल से राज्य में किसी भी उच्चाधिकार प्राप्त पद को सुशोभित करने में सक्षम रहेंगी। आप प्रयत्न पूर्वक सत्य तथा प्रियवाणी का प्रयोग करेंगी जो अन्य जनों को रूचिकर लगेगी।

युक्तः सौभाग्ययोग्यैगृह सुहृदरटन ज्यौतिषज्ञान शीलैः।
कामासक्तकृतज्ञः क्षितीपतिसचिवः सत्प्रमाण प्रवासी।।
सोन्मादः केशकल्पो जलकुसुमरूचि र्हानिवृद्धयानुयातः।

प्रासादोद्यानवाणीप्रियकरणरतः पीनकण्ठः कुलीरे।।
सारावली

राक्षस गण में उत्पन्न होने के कारण आप कभी कभी अधिक बोलेंगी। साथ ही दया एवं करूणा का भाव भी आपके हृदय में अल्प ही रहेगा साहसिक कार्यों को करने में आप सफल रहेंगी। छोटी छोटी बातों में क्रोध करना तथा उत्तेजित होना आपके स्वभाव का अंग होगा। अपने कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए आप किसी भी कार्य को करने के लिए तत्पर रहेंगी। साथ ही आपकी प्रवृति विवाद युक्त होगी अतः अन्य जनों से आपका वैमनस्य का भाव चलता रहेगा। अतः संयमपूर्वक अन्य जनों से वार्तालाप करना चाहिए।

आप उन्माद तथा प्रमेह से भी ग्रसित हो सकती हैं। आपका चेहरा सामान्य सुन्दर होगा तथा कटु शब्दों का आप कभी कभी प्रयोग करेंगी जिससे श्रोता आपसे प्रसन्न नहीं होंगे। अतः आपको मधुर शब्दों का यत्नपूर्वक प्रयोग करना चाहिए।

अनल्पजल्पश्च कठोरचित्तः स्यात्साहसी क्रोधपरोद्धतश्च।
दुःशीलवृतः कलीकृत्वलीमान रक्षोगणोत्पन्नरो विरोधी।।
जातकभरणम्

अर्थात् राक्षस गण में उत्पन्न जातक व्यर्थ बोलने वाला, कठोर, साहसी, अकारण ही क्रोधित होने वाला, नीच प्रकृति से युक्त, झगडू, बलवान तथा अन्य लोगों का विरोधी होता है।

मार्जार योनि में पैदा होने के कारण आप वीरता के गुणों से युक्त रहेंगी तथा अपने कार्यों को निपुणता से सम्पन्न करेंगी। आप मिष्ठान भोजन तथा मधुर पेय के अति शौकीन होंगी तथा इनके प्रयोग से आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। आप की प्रवृति निर्भीक होगी तथा बिना किसी भय के आप अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी। परन्तु कभी कभी आपके स्वभाव में कुटिलता या दुष्टता का समावेश हो जाएगा। अतः आपकी प्रवृति कठोरकर्मो की ओर प्रेरित होगी।

शूरः स्वकार्येदक्षश्च मिष्ठानपान भक्षकः।
निर्भयो दुस्वभावश्च नरो मार्जार योनिजः।।
मानसागरी

अर्थात मार्जार योनि में उत्पन्न बालक वीर, अपने कार्यों को निपुणता से करने वाला, मिष्ठानपान भक्षण प्रेमी तथा दुष्ट स्वभाव वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठभाव में स्थित है। अतः आप माता की प्रिय रहेंगी उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से वे दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगी तथा जीवन में आपको पूर्ण रूप से हर सम्भव

सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। इसके साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में यदि कोई व्यवधान आएंगे तो उन्हें दूर करने में सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगी तथा आपकी सफलता की सर्वदा इच्छुक होंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा तथा सम्मान की भावना रखेंगी तथा हमेशा उनकी सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगी परन्तु आपके मध्य कभी कभी मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे अप्रिय स्थितियां भी उत्पन्न होंगी लेकिन फिर भी सामान्य संबंध मधुर ही रहेंगे। साथ ही उनको जीवन में वांछित सहायता एवं सहयोग प्रदान करने की भी आप इच्छुक रहेंगी।

आपके जन्म काल में सूर्य एकादश भाव में स्थित है अतः पिता की आप हमेशा प्रिय रहेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन समय समय पर मध्यम रूप से वे शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं इसका उनके पास अभाव नहीं रहेगा। साथ ही जीवन में आपको हर प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके आय स्रोतों की वृद्धि करने एवं उनमें उन्नति प्राप्त करने के लिए वे आपको पूर्ण आर्थिक सहयोग तथा निर्देश भी प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रखेंगी एवं उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध अच्छे होंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी विद्यमान रहेंगे। जीवन में आप उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करती रहेगी एवं सुख दुःख में उनकी सेवा भी करती रहेंगी।

आपके जन्म समय में मंगल एकादश में विद्यमान है अतः भाई बहिनों से आप स्नेह एवं सम्मान प्राप्त करेंगी एवं जीवन के शुभ एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनसे पूर्ण सहयोग तथा समयानुसार वांछित सहायता भी अर्जित करेंगी। उनका शारीरिक स्वास्थ्य प्रायः अच्छा ही रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक व्याकुलता की भी उनको अनुभूति होगी। आपके आय साधनों की वृद्धि में भी उनका प्रमुख योगदान रहेगा। धन सम्पत्ति से भी वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में सुख दुःख के समय आपकी यथा शक्ति सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे।

आपके अर्न्तमन में उनके प्रति स्नेह भाव रहेगा तथा जीवन में यथाशक्ति उनकी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपनी ओर से वांछित आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे। आपके आपसी संबंध भी मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण इनमें कटुता का भाव उत्पन्न होगा। परन्तु यह क्षणिक रहेगा। इसके अतिरिक्त आप सुख दुःख में भी अपना योगदान प्रदान करेंगी।

आपके लिए पौष मास, द्वितीया, सप्तमी तथा द्वादशी तिथियां, अनुराधा नक्षत्र, व्याघात योग, नागकरण, बुधवार, तृतीय प्रहर तथा मीन राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल देने वाले होगे। अतः आप 15 दिसम्बर से 14 जनवरी के मध्य 2,7,12 तिथियों तथा उपरोक्त योगों में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न न करें। अन्यथा

लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही इन दिनोंमें शारीरिक सुरक्षा का भी पूर्ण ध्यान रखें। यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति प्राप्ति में बाधा उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट शंकर भगवान को नित्य शिवालय जाकर विल्वपत्र चढाने चाहिए तथा सोमवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही श्वेत मोती, श्वेत वस्त्र, चांदी, श्वेत पुष्प, चावल आदि पदार्थो का दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त चन्द्रमा के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 10000 जप सम्पन्न करने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों के प्रभाव में कमी होकर शुभ फलों की प्राप्ति होगी।

ऊँ श्रां श्रीं श्रों सः चन्द्रमसे नमः।
मंत्र– ऊँ ऐं क्लीं सोमाय नमः।